सभी पाठकों को भारतीय नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

राष्ट्रीय विचारों का पाक्षिक

₹10

पाथेय कण

www.patheykan.com

चैत्र कृष्ण 9, वि.2079, युगाब्द 5124, 16 मार्च, 2023

प्रतिनिधि सभा (2023) अंक

स्वाभिमानी, समृद्ध, संगठित व समरस भारत के लिए सक्रिय है संघ

देश का आगे बढ़ना आनन्द का विषय

समाज हो रहा है संघ कार्य में सहभागी

1 लाख स्थानों तक पहुँचना संघ का लक्ष्य

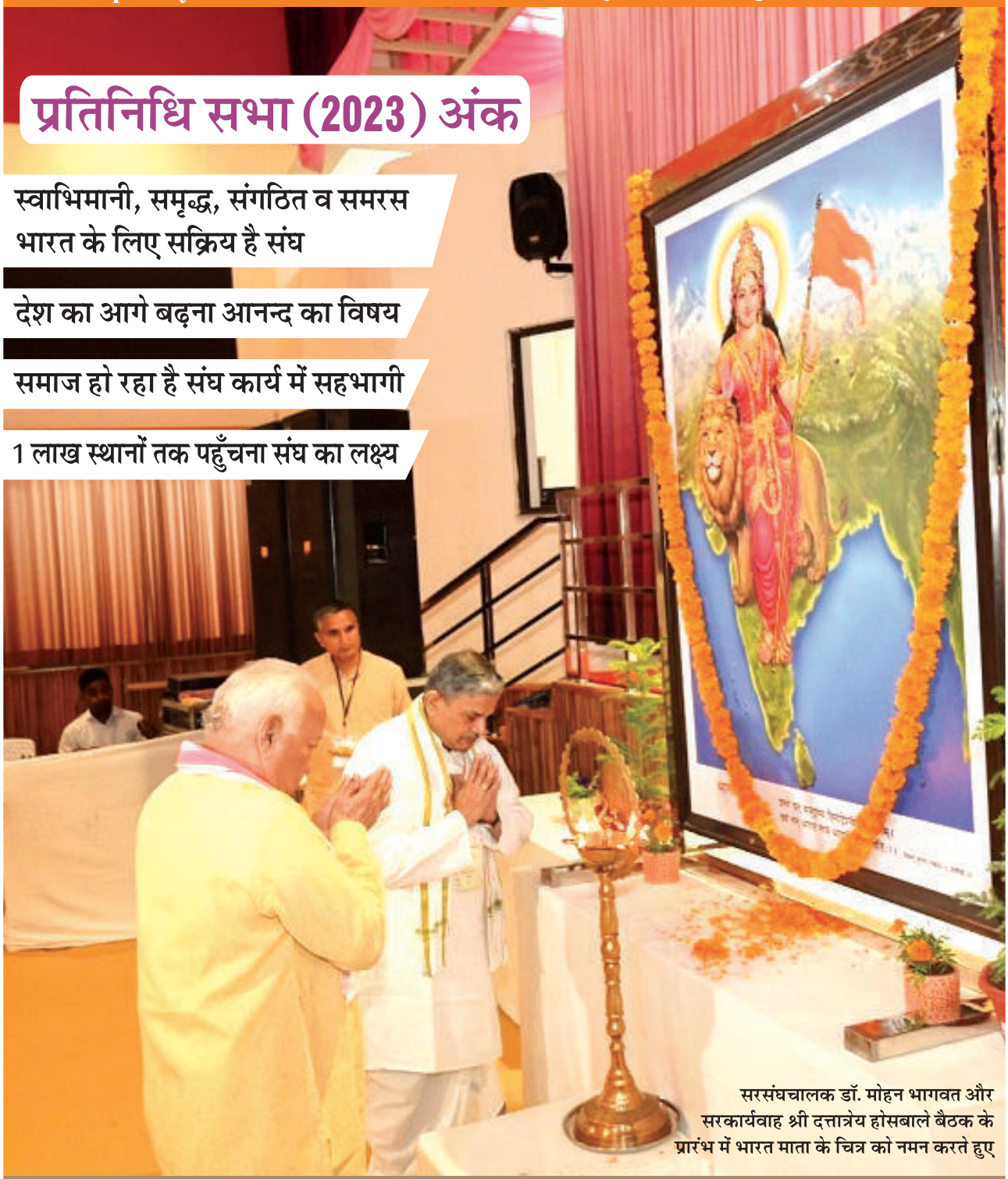

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले बैठक के प्रारंभ में भारत माता के चित्र को नमन करते हुए

patheykan@gmail.com patheykan @patheykan1

आवश्यकता एकजुट रहने की

पिछले कुछ दिनों से ऐसी कई खबरें सामने आ रही हैं जिनका उद्देश्य भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में अस्थिरता का वातावरण निर्मित करना दिखाई दे रहा है। फिर चाहे वह हिंडनबर्ग रिपोर्ट हो या इस रिपोर्ट का सहारा लेकर जॉर्ज सोरोस के मोदी पर आरोप हों। अमृतसर में एक खालिस्तानी संगठन 'वारिस पंजाब दे' के प्रमुख अमृतपाल सिंह के समर्थकों द्वारा अजनाला पुलिस थाने पर तलवारों और बंदूकों से हमला करना भी चिंता का विषय है। इस प्रकार की घटनाएं संभवत अगले वर्ष होने वाले भारत के लोकसभा चुनाव से पूर्व देश में अस्थिरता उत्पन्न करना है ताकि गत 9 सालों से भारत को विकसित करती राष्ट्रवादी सरकार अगली बार बहुमत में ना आ सके। जब-जब भारत में प्रगति का काल आया तब-तब अलग-अलग कोनों से भारत की प्रगति को बाधित करने का प्रयास होता रहा है। इसके साक्ष्य राजीव मल्होत्रा ने अपनी पुस्तक 'भारत विखंडन' में भी स्पष्ट किए हैं। ऐसे माहौल में धैर्य बरतते हुए सरकार में विश्वास रखने की प्रवृत्ति विकसित करनी होगी। इस अत्याधुनिक युद्ध में भारतीय समाज को अपने राष्ट्र के प्रति निष्ठा रखते हुए एकजुट रहने की आवश्यकता है।

-मनन्य सिंह निर्वाण, msnirwan19@gmail.com

ज्ञानवर्धक

पाथेय कण पत्रिका से 10 साल बाद वापस जुड़ा हूँ। हिंदुत्व की अलख जगाने वाली पत्रिका को देखकर मन प्रफुल्लित हो गया। ऐसी ज्ञानवर्धक सामग्री पाथेय कण में ही पढ़ने को मिलती है।

-हीरालाल चारण
आलोरी गरवाड़ा, नीमच, मध्यप्रदेश

प्रभावी सामग्री

16 फरवरी के अंक में दीनदयाल स्मृति व्याख्यान की विषय वस्तु की प्रस्तुति बहुत ही प्रभावी लगी, जो प्रत्यक्ष रूप से शाखा में अब तक नहीं गए वे इस लेख को पढ़कर संघ को जान सकते हैं। राहुल रोशन की पुस्तक 'Sanghi Who Never Went to A Shakha' का उद्धरण देते हुए सरकार्यवाह जी ने जो बताया, एक सच्चाई है। जिन्होंने संघ के विचार को अपने जीवन में उतारा है, वो शाखा में गया या नहीं गया, लोग उसे संघी ही मानते हैं।

-डॉ.राधेश्याम अग्रवाल, अजमेर

गर्भ संस्कार

16 फरवरी के अंक में 'गर्भ संस्कार से श्रेष्ठ संतति' लेख में आने वाली पीढ़ी की बहनों को बारीकी से जो संदेश आपके द्वारा दिया गया है वह बहुत ही सराहनीय है। इस लेख को पढ़कर तथा इसमें दी गई बातों को अपनाकर विशेष रूप से वर्तमान पीढ़ी यदि उन नियमों का पालन करें तो अत्यधिक लाभ उठा सकती है। इसी लेख में 16 संस्कारों की जो सूची दी गई है, वह स्मरण योग्य है।

-राजदुलारी सेकड़ा, सुंदरदास मार्ग, दौसा

सटीक विश्लेषण

16 फरवरी अंक का संपादकीय अवलोकनीय था। आपने सूक्ष्म पर्यवेक्षण से जो विश्लेषण किया है, वह दृष्टव्य है। सच में, एक दोहे से सम्पूर्ण ग्रंथ का कथ्य अनावृत नहीं होता। क्या त्याज्य के अतिरिक्त ग्राह्य को भी छोड़ा जा सकता है? क्या यह विवेक सम्मत है? स्थान सदैव रहता है और संशोधन भी सम्भव है। साथ ही असहमति का अर्थ अन्त नहीं है, अतः कृति को नष्ट करना विरोध नहीं अपितु अनावश्यक विरोध का द्योतक है। अच्छा तो यह है कि असहमति के अतिरिक्त का अनुभव किया जाए, मूल्यांकन हो। तभी ज्ञात होगा कि मानव कृति अपने भाव बोध और अभिगम में कितनी अप्रतिम है, कितनी वरेण्य है?

-राजू मेहता, 135 गुलाब नगर,जोधपुर

कर्मयोगी प्रचारक

'मैं एक साधारण स्वयंसेवक' श्री गुरुजी का बौद्धिक, जिसे कर्मयोगी हस्तीमल जी भाईसाहब ने स्वयं जीकर दिखाया। वे एक अलग ही प्रकार की स्मरण शक्ति के धनी थे। आपने अनगिनत राष्ट्र प्रेमी स्वयंसेवक बनाये।

-नारायण, शाहपुरा

गर्व की अनुभूति

पाथेय कण के माध्यम से जानकारी हुई कि हमारा सनातन धर्म मुस्लिम देशों के अंदर भी प्रभाव छोड़ रहा है। कई देशों के अंदर अब हिंदू मंदिर स्थापित हो रहे हैं। 1 नवम्बर के अंक में दुबई में नवनिर्मित हिंदू मंदिर की जानकारी पढ़कर गर्व की अनुभूति हुई। इसलिए मेरी कोशिश रहती है कि ताजा जानकारी के लिए बार-बार यह पुस्तक पढ़ूं।

-सुखराम सारण, सरदारशहर, चुरू

धारावाहिक रूप में योग व इतिहास की जानकारी प्रकाशित करें

पाथेय कण में अंग्रेज एवं मुगल आक्रांताओं के इतिहास की जानकारी, योगासन संबंधित चित्र सहित विधि और लाभ धारावाहिक से प्रकाशित किए जाए तो समाज और देश जागरण में यह एक अच्छा प्रयास होगा।

-हरिचंद वैद्य, बरवां, भाद्राजून, जालोर

अर्थव्यवस्था गिराने की साजिश

16 फरवरी के अंक में 'अडानी नहीं भारत की अर्थव्यवस्था को गिराने की साजिश है हिंडनबर्ग रिपोर्ट' पढ़ी। आमुख कथा में एक विदेशी कंपनी द्वारा तथाकथित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था और भारतीय उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की विकास की रफ्तार को तोड़ने के लिए किए गए प्रहार का सटीक विश्लेषण किया गया है। देश में अभी भी कुछ लोगों का वर्ग है जो विदेशी कंपनियों को ही उच्चतर समझते हैं और भारतीय कंपनियों और उद्यमियों को नीचे गिराने में अपने को महान समझते हैं, ऐसे लोगों को अब सबक लेना चाहिए। सशक्त और उन्नत भारत विश्व का मार्ग प्रशस्त करेगा।

-सुमित कुमार दाधीच, गुलाबपुरा,भीलवाड़ा

पाथेय कण पोर्टल पर पढ़ें

(दिए गए लिंक पर क्लिक करें)

- अमेरिका की सिलिकॉन वैली बैंक का डूबना
  https://patheykan.com/?p=19619
- राष्ट्रीय सेवा संगम भूमि पूजन
  https://patheykan.com/?p=19577

पाक्षिक
पाथेय कण

चैत्र कृष्ण 9 से
चैत्र शुक्ल 10 तक
विक्रम संवत् 2079,
युगाब्द 5124

16-31मार्च, 2023
वर्ष : 38
अंक : 23

सम्पादक
रामस्वरूप अग्रवाल

सह सम्पादक
मनोज गर्ग

सहयोग
संजय सुरोलिया

प्रबंध सम्पादक
माणकचन्द

सह प्रबंध सम्पादक
ओमप्रकाश

अक्षर संयोजन
कौशल रावत

सहयोग राशि
एक वर्ष ₹150/-
पन्द्रह वर्ष ₹1500/-

प्रबंधकीय कार्यालय
'पाथेय भवन'
4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, अग्रसेन मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर-17 (राज.)

पाथेय कण प्राप्त नहीं होने पर व्हाट्सएप करें अथवा फोन करें।
(प्रात:10 से सायं 5 बजे तक)
7976582011

विज्ञापन हेतु सम्पर्क
ओमप्रकाश
9929722111

E-mail
patheykan@gmail.com
Website
www.patheykan.in

प्रतिनिधि सभा (2023) अंक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गत 98 वर्षों से निरंतर समाज को संगठित करने तथा देश को परम वैभव की स्थिति में पहुँचाने हेतु सेवा, समाज परिवर्तन, विकास कार्यों में स्वयंसेवकों के माध्यम से सक्रिय है। संघ के स्वयंसेवक समाज जीवन के 35 से भी अधिक क्षेत्रों में उस क्षेत्र के अच्छे लोगों से मिलकर निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन क्षेत्रों में उन्हें प्रतिष्ठा भी मिली है। कोरोना काल सहित देशभर में आई विभिन्न आपदाओं के समय संघ के स्वयंसेवकों ने आगे बढ़कर सेवा-सहायता के उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

2025 में संघ अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। यह संघ के कार्यों और प्रयासों का प्रभाव ही है कि आज देश में राष्ट्रीय दृष्टिकोण से विचार आरंभ हुआ है तथा 'हिंदुत्व' चर्चा-विचार-संवाद के केन्द्र में आ गया है। भारत के 'स्वत्व' पर चर्चा हो रही है तथा उसे स्थापित करने की बात की जा रही है।

ऐसे में संघ की सबसे महत्वपूर्ण इकाई प्रतिनिधि सभा का महत्व बढ़ जाता है जो 12 से 14 मार्च के मध्य हरियाणा के समालखा में सम्पन्न हुई। इस प्रतिनिधि सभा में संघ के प्रांत प्रचारक, प्रांत कार्यवाह, प्रांत संघचालक एवं सभी ऊपर के अधिकारी उपस्थित रहते हैं तथा संघ विचारों से कार्य करने वाले सभी संगठनों के प्रमुख पदाधिकारियों की सहभागिता भी रहती है।

पाथेय कण के पाठक प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से संघ की समाज-राष्ट्र को आगे बढ़ाने की गतिविधियों से परिचित रहते ही हैं। उन्हें संघ की प्रतिनिधि सभा की जानकारी तथा संघ के सरकार्यवाह जी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देने का प्रयास इस अंक में किया गया है।

संपादकीय

वयम् पंचाधिक शतम्

भारत के बाहर, विदेशी धरती पर दुश्मन देश चीन की प्रशंसा और अपने देश की बुराई! यह क्या कर दिया राहुल गांधी जी? आप एक ऐसे राजनैतिक दल के नेता हैं जिसने 55 वर्षों तक भारत पर शासन किया है। आप उस दल के अध्यक्ष भी रहे हैं। इस स्तर के नेता से ऐसी उम्मीद नहीं थी। आपने तो देश को विदेश में बदनाम करने में सभी सीमाएं, सभी मर्यादाएं लांघ दीं।

पिछले दिनों ब्रिटेन के कैंब्रिज विश्वविद्यालय एवं अन्य स्थानों पर बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भारत की मीडिया अर्थात् समाचार पत्र, टीवी-न्यूज चैनल आदि स्वतंत्र नहीं हैं, बिके हुए हैं, सच नहीं दिखाते। भारत में लोकतंत्र खतरे में है। विपक्षी नेताओं को संसद में बोलने नहीं दिया जाता। उनके माइक बंद कर दिए जाते हैं। (राहुल जी भूल ही गए थे कि संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही का सीधा प्रसारण आजकल टीवी पर होता रहता है) राहुल जी ने कहा कि हिंदुस्तान ऐसी जगह नहीं है जहां विदेशी कंपनियां अपना धन निवेश करें। (जबकि बहुत सी कंपनियां चीन छोड़कर भारत आ रही हैं) राहुल जी ने विदेशी कंपनियों को कहा कि हिंदुस्तान मत जाना। यदि हिंदुस्तान में निवेश की सोच रहे हैं तो खतरे में होंगे। क्योंकि हिंदुस्तान में न्यायपालिका फेल (असफल) हो रही है, वह निष्पक्ष नहीं है। भारत में चुनाव स्वतंत्र नहीं होते। चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है।

राहुल जी ने श्रोताओं में उपस्थित एक सिख और एक मुस्लिम बंधु से पूछा कि क्या वे भारतीय हैं। उनके 'हां' कहने पर राहुल गांधी ने कहा कि भारत में सिख, मुसलमान व ईसाई दोयम दर्जे के नागरिक हैं। राहुल जी इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने कहा कि भारत में दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यकों पर हमले होते रहते हैं।

राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर के बारे में कहा कि वह एक हिंसक जगह है। कोई कश्मीर में पैदल नहीं चल सकता। उस पर ग्रेनेड से हमला हो सकता है। सब जानते हैं कि धारा 370 व 35ए हटाने के बाद कश्मीर के हालात बहुत सुधरे हैं। पत्थरबाज गायब हो गए हैं। आतंकवाद व अलगाववाद पर अंकुश लगाने का परिणाम ही है कि जहां 3-4 वर्ष पूर्व तक लोग कश्मीर जाने के नाम से ही भय खाते थे वहां अब लाखों पर्यटक जा रहे हैं। पिछले दिनों समाचार था कि लगभग 200 फिल्म एवं सीरियल की शूटिंग वहां चल

रही है। राहुल गांधी भूल गए कि बदली हुई परिस्थितियों के कारण ही वे अपनी भारत यात्रा के दौरान श्रीनगर में तिरंगा लहरा पाए थे। राहुल जी भारत में संघ और हिंदुत्व को गालियां देते रहे हैं। उन्होंने विदेश में भी कहा कि आरएसएस फासीवादी संगठन है।

राहुल गांधी ने भारत के प्रति एक विदेशी धरती पर इतना जहर तब उगला जब विश्व के सबसे ताकतवर 20 देशों के विदेश मंत्री भारत में G-20 समिट के अंतर्गत आए हुए थे। वे यहां भारत की प्रशंसा कर रहे थे। ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली कह रहे थे कि 'भारत विश्व का भविष्य है।' रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव कह रहे थे कि 'मोदी ने वैश्विक परिदृश्य का आकलन किया है।' फ्रांस की विदेश मंत्री कैथरीन कोलोना ने कहा कि 'वैश्विक संकट के समय भारत की भूमिका बेहद जरूरी है।'

राहुल जी, विदेश मंत्रियों की बात जाने दीजिए, आपके ननिहाल इटली से आई वहां की प्रधानमंत्री जियोर्निया मेलोनी की बात पर तो गौर किया होता। वे कह रही हैं कि 'मोदी दुनिया भर के सभी नेताओं में सबसे चहेते हैं तथा सिद्ध हो चुका है कि वे एक बड़े लीडर हैं।' आज पूरा विश्व मानकर चल रहा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका अहम हो सकती है। आज जब विश्व में भारत का सम्मान बुलंदियों पर है, ऐसे में स्वाभाविक रूप से प्रश्न तो उठेगा ही कि राहुल जी को यह क्या सूझी कि देश से बाहर जाकर देश को बदनाम करने लगे? उन्हें विदेश जाकर भारत में खराब-खराब ही दिखने लगा? राहुल गांधी का यह कृत्य 'भारत विरोधी लॉबी' के एजेन्ट जैसा है।

पिछले दिनों 'भारत जोड़ो यात्रा' के अंतर्गत राहुल जी ने यह दिखाया कि वे हिंदू धर्म को जानते हैं। परंतु भारत के चिंतन 'वयम् पंचाधिक शतम्' से तो वे पूर्णतया अपरिचित ही लगे। महाभारत के समय की घटना है। कौरव सौ थे और पांडव थे पांच। पांडव जब बारह वर्ष के वनवास काल में थे, उन्हें परेशान करने के लिए दुर्योधन वन में पहुँचा। परंतु वहां उसकी मुठभेड़ गंधर्वराज चित्रसेन से हो गई जिसने दुर्योधन को पराजित कर बंदी बना लिया। दुर्योधन के सैनिक रोते-बिलखते युधिष्ठिर के पास पहुँचे और सारी बात बताई। यद्यपि भीम ने दुष्ट दुर्योधन के बंदी बना लिए जाने पर खुशी प्रकट की, परन्तु युधिष्ठिर ने कहा-दुर्योधन चाहे जैसा भी हो, परंतु है तो हमारा भाई ही। आपसी संघर्ष में हम पांच और वो सौ हैं पर परायों के लिए हम एक सौ पांच हैं (वयम् पंचाधिक शतम्)। यह कह कर उन्होंने अर्जुन को भेजकर दुर्योधन को छुड़वाया। संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्रीगुरुजी इस प्रसंग को सुनाकर कहा करते थे कि देश के बारे में हमें हमेशा युधिष्ठिर के कथन को ही आधार बनाकर कार्य करना चाहिए।

क्या राहुल गांधी के इस कृत्य से उनकी छवि में सुधार हुआ है या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि को क्षति पहुँची है? कतई नहीं। राहुल जी यह सब झूठ भारत में वर्षों से बोल रहे हैं। परन्तु जनता ने उन्हें केन्द्र के लिए वोट नहीं दिया। अब विदेश में उन्होंने जो भारत और मोदी जी को बदनाम करने का प्रयास किया है, उससे उनकी छवि को और नुकसान ही हुआ है। उनके प्रशंसकों तक में उनके प्रति आदर कम हुआ है। यहां एक उदाहरण देना उपयुक्त होगा।

ब्रिटेन के इसी दौरे में राहुल गांधी ने लंदन में भारतीय पत्रकार परिषद (Indian Journalists Association) के कार्यक्रम में पत्रकारों से वार्ता की थी। इस वार्ता में 'न्यू वर्ल्ड न्यूज़पेपर' के वरिष्ठ एवं वयोवृद्ध संवाददाता सुरेश गुप्ता ने राहुल जी को जो कहा वह बहुत महत्व का है। उन्होंने कहा कि वे राहुल गांधी के प्रशंसक हैं तथा राहुल के नाना नेहरू जी तथा दादी इंदिरा गांधी से उनका संबंध रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मोरारजी देसाई के प्रधानमंत्री रहते इंदिरा जी को जेल में बंद कर दिया गया था। जेल से रिहा होने के कुछ समय बाद वे लंदन आई थीं तो एक पत्रकार ने उसने पूछा कि भारत की जेल में उनका कैसा अनुभव रहा। इस पर इंदिरा जी ने कहा था -'' मैं भारत के बारे में यहां पर (यानि विदेशी धरती पर) कोई गलत बात नहीं कहना चाहती।'' यह प्रसंग बताकर पत्रकार सुरेश गुप्ता जी ने कहा कि राहुल गांधी को अपनी दादी से सीखना चाहिए।

राहुल गांधी ने विदेश में जहां एक ओर भारत को बदनाम किया वहीं उन्होंने भारत के शत्रु देश चीन की भरपूर प्रशंसा की। राहुल जी ने कहा कि चीन एक शांतिप्रिय देश है। (बावजूद इसके कि चीन ने न केवल भारत पर हमला कर एक बड़े भूभाग पर कब्जा किया हुआ है वरन् दो वर्ष पूर्व गलवान में अपने सैनिक भेज कर 20 भारतीय सैनिकों की हत्या करने के साथ ही वहां युद्ध का माहौल बना रखा है।) राहुल जी ने कहा कि चीन प्रकृति प्रेमी है, वे प्रकृति से जुड़े हुए हैं। वहां एक पीली नदी (Yellow River) बहती है जो पूरे चीन को जोड़कर एक राष्ट्र बनाती है। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी सद्भावना (Harmony) चाहती है। इतना ही नहीं, राहुल जी ने रूस-यूक्रेन का उदाहरण देकर भारत के लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में चीन के दावे और हस्तक्षेप को उचित ठहराने का प्रयास किया। राहुल गांधी की नजरों में चीन तो एक राष्ट्र है, परन्तु भारत राष्ट्र न होकर एक समझौते (Agreement) का परिणाम है।

यहां प्रश्न यह नहीं है कि राहुल जी ने यह सब क्यों कहा? राहुल गांधी भारत में विपक्ष के नेता हैं। उन्हें सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी की आलोचना करने का पूरा अधिकार है। परंतु यह सब वे अपने देश में रहते हुए कहें और, वे कहते भी हैं। लेकिन एक विदेशी धरती पर, परायों के बीच अपनों की, अपने देश की बुराई करना, देश को बदनाम करना एक निकृष्टतम कार्य नहीं है क्या?

राहुल गांधी यदि यह सोचते हैं कि उनके इस तरह के कृत्य से आने वाले चुनावों में कांग्रेस को कुछ लाभ होगा तो यह खिसियानी बिल्ली खम्भा नोंचने जैसी स्थित लग रही है। देश की सीमाओं के अंदर आप कुछ भी बोलें, परंतु एक विदेशी धरती पर, परायों के बीच बोलते समय तो 'वयम् पंचाधिक शतम्' वाले चिंतन को अवश्य ध्यान में रखें। ●

– रामस्वरूप अग्रवाल

आगामी वर्ष में एक लाख स्थानों तक पहुंचना संघ का लक्ष्य

संघ की प्रतिनिधि सभा (12 से 14 मार्च) हरियाणा के समालखा में सम्पन्न

- कोरोना काल के बाद से देश में बढ़ा है संघ का कार्य
- स्वयंसेवकों ने कोरोना काल में की साढ़े पांच लाख लोगों की सेवा
- 109 स्थानों पर होंगे संघ के शिक्षा वर्ग, 20 हजार स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण लेने का लक्ष्य
- संघ में युवाओं की रूचि बढ़ी

समालखा (हरियाणा) के पट्टीकल्याणा स्थित सेवा साधना एवं ग्राम विकास केन्द्र में 12 मार्च को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता के चित्र पर पुष्पार्पित कर अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का शुभारंभ किया। अ.भा. प्रतिनिधि सभा में देशभर से 34 संगठनों के 1474 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

प्रतिनिधि सभा के शुभारंभ के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए सह सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य ने कहा कि 2025 में संघ अपने स्थापना के 100 वर्ष पूरे करने जा रहा है। वर्तमान में संघ 71355 स्थानों पर प्रत्यक्ष तौर पर कार्य कर समाज परिवर्तन के महत्वपूर्ण कार्य में अपनी भूमिका निभा रहा है। अगले एक वर्ष तक एक लाख स्थानों तक पहुंचना संघ का लक्ष्य है। वर्ष 2020 में आई कोरोना आपदा के बाद भी संघ कार्य बढ़ा है। 2020 में 38913 स्थानों पर 62491 शाखा, 20303 स्थानों पर साप्ताहिक मिलन व 8732 स्थानों पर मासिक मंडली चल रही थी। 2023 में यह संख्या बढ़कर 42613 स्थानों पर 68651 शाखाएं, 26877 स्थानों पर साप्ताहिक मिलन तथा 10412 स्थानों पर मासिक मंडली तक पहुंच गई है। संघ दृष्टि से देशभर में 911 जिले हैं, जिनमें से 901 जिलों में संघ का प्रत्यक्ष कार्य चलता है। 6663 खंडों में से 88 प्रतिशत खंडों में, 59326 मंडलों में से 26498 मंडलों में संघ की प्रत्यक्ष शाखाएं लगती हैं। शताब्दी वर्ष में संघ कार्य को बढ़ाने के लिए संघ के नियमित प्रचारकों व विस्तारकों के अतिरिक्त 1300 कार्यकर्ता दो वर्ष के लिए शताब्दी विस्तारक निकले हैं।

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा संघ की सबसे महत्वपूर्ण सभा होती है। इस सभा में पिछले वर्ष किए गए कार्यों की समीक्षा व संघ द्वारा आगामी वर्ष में किए जाने वाले कार्यों की योजना तैयार की जाती है।

प्रतिनिधि सभा में इस वर्ष के कार्य की समीक्षा के साथ-साथ 2025 तक नए लोगों को संघ से जोड़ने तथा वर्ष 2023-24 की कार्य योजना तैयार की गई। संघ की रीढ़ शाखा है। शाखा सामाजिक परिवर्तन का केन्द्र है। शाखा के स्वयंसेवक सामाजिक परिस्थितियों के अध्ययन के आधार पर विषयों का चयन करते हैं और समाज परिवर्तन के लिए कार्य करते हैं। समाज को स्वावलंबी बनाने, सेवा कार्यों का विस्तार देने, समाज में सामाजिक समरसता का वातावरण बनाने, पर्यावरण संरक्षण तथा अमृतकाल के अंतर्गत देशभर में क्या कार्य किए जाएं ये सभी विषय शाखा के माध्यम से स्वयंसेवकों द्वारा समाज में चलाए जाते हैं।

सह सरकार्यवाह डॉ.मनमोहन वैद्य एवं अ.भा.प्रचार प्रमुख श्री सुनील आंबेकर प्रतिनिधि सभा के शुभारंभ के बाद पत्रकार वार्ता करते हुए

सब भारतीय मेरे अपने है

डॉ. मनमोहन वैद्य ने कहा कि सारे भारत का सारा समाज एक है, सब समान हैं, सब मेरे अपने हैं, मुझे समाज के लिए कुछ देना है, ऐसे विचारों की अनुभूति व संस्कार संघ

की शाखा से आते हैं। संघ के स्वयंसेवक अपने दैनिक कार्यों में से समय निकालकर तथा अपनी जेब से पैसा खर्च कर समाज परिवर्तन में योगदान देते हुए संघ कार्य का विस्तार करते हैं।

समाज को साथ लेकर समाज परिवर्तन

संघ की शाखा से व्यक्ति निर्माण होता है, जो आगे चलकर समाज में राष्ट्रीय विचारों का जागरण व समाज को साथ लेकर समाज परिवर्तन में अपनी भूमिका निभाता है।

लोगों की संघ में रूचि बढ़ी है

आज संघ के प्रति लोगों की रूचि बढ़ रही है। लोग संघ को ढूंढ़ते हुए डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से संघ के साथ जुड़ने के लिए निवेदन कर रहे हैं। वर्ष 2017 से 2022 तक ज्वाइन आरएसएस के माध्यम से संघ के पास 7 लाख 25 हजार निवेदन आए हैं। इनमें से अधिकांश 20 से 35 आयु वर्ग के युवक हैं, जो समाज सेवा के लिए संघ से जुड़ना चाहते हैं।

संघ में युवाओं की संख्या ज्यादा

दैनिक शाखाओं में भी युवाओं की रूचि बढ़ रही है। संघ की 60 प्रतिशत शाखाएं विद्यार्थी शाखाएं हैं। पिछले एक वर्ष में 121137 युवाओं ने संघ का प्राथमिक शिक्षण प्राप्त किया है। आगामी वर्ष की योजना में देशभर में संघ शिक्षण के 109 वर्ग लगेंगे जिसमें लगभग 20 हजार स्वयंसेवकों के शिक्षण प्राप्त करने का अनुमान है। उन्होंने संघ के शिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि संघ के प्रथम वर्ष में 15 से 40 आयु वर्ग के स्वयंसेवक, द्वितीय वर्ष में 17 से 40 आयु वर्ग के स्वयंसेवक तथा तृतीय वर्ष में 25 से 40 आयु वर्ग के स्वयंसेवक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। 40 से अधिक आयु के स्वयसेवकों के लिए विशेष प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाते हैं।

डॉ. मनमोहन वैद्य ने कहा कि यह भगवान महावीर निर्वाण का 2550वां महोत्सव वर्ष है। आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती के जन्म के 200 वर्ष तथा शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के 350 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इन तीनों के संदर्भ में भी प्रतिनिधि सभा में वक्तव्य पारित होंगे। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता के अमृतकाल को ध्यान में रखकर प्रस्ताव भी पारित किया जाएगा। ●

यह अंक छपने तक प्रस्ताव पारित नहीं हुए थे अतः वे अगले अंक में ही दिए जा सकेंगे।– संपादक

देश का आगे बढ़ना आनन्द का विषय

स्वाभिमानी, समृद्ध, संगठित व समरस समाज के लिए सक्रिय है संघ

प्रतिनिधि सभा में सरकार्यवाह जी ने प्रस्तुत किया वार्षिक प्रतिवेदन

प्रतिनिधि सभा में सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले ने अपने वार्षिक प्रतिवेदन में कहा कि विभिन्न मोर्चों पर देश का आगे बढ़ना आनंद का विषय है। उन्होंने स्वाधीनता का अमृत महोत्सव के दौरान संघ के स्वयंसेवकों द्वारा लोगों में देशभक्ति की भावना जगाने वाले बड़ी संख्या में सम्पन्न कार्यक्रमों की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले 25 वर्ष (अमृतकाल) में भारत को विश्व में एक गौरवशाली और सम्मान जनक स्थान प्राप्त होगा। यह राष्ट्रीय संकल्प युवा शक्ति के मनों में भी प्रतिध्वनित हुआ है। इस वार्षिक प्रतिवेदन के प्रमुख अंश आगे दिए जा रहे हैं–

भारत के बल, शील और प्रतिष्ठा में वृद्धि

सरकार्यवाह जी ने कहा कि राष्ट्र के नवोत्थान की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। भारत के बल–शील–प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही है। देश की अर्थव्यवस्था सुधरी है। उन्होंने प्रमुख आर्थिक विशेषज्ञों के इस मत से सहमति जताई कि वर्तमान शताब्दी भारत की होगी। भारत अपनी औपनिवेशक दासता को त्याग कर नए आत्मविश्वास युक्त, आत्मसम्मान से भरा, आत्मनिर्भर भारत की यात्रा को प्रारंभ कर चुका है। राष्ट्र के स्वत्व जागरण का सही आख्यान (नेरेटिव–विमर्श) स्थापित होता जा रहा है।

सरकार के साथ हो समाज का सहयोग

राष्ट्र को समृद्ध, सुदृढ़, स्वाभिमानी व सुसंस्कारित बनाने के लिए सरकार की नीति और प्रयत्नों के साथ समाज का सहयोग आवश्यक है। संघ की दृष्टि एवं कार्यप्रणाली भी यही है।

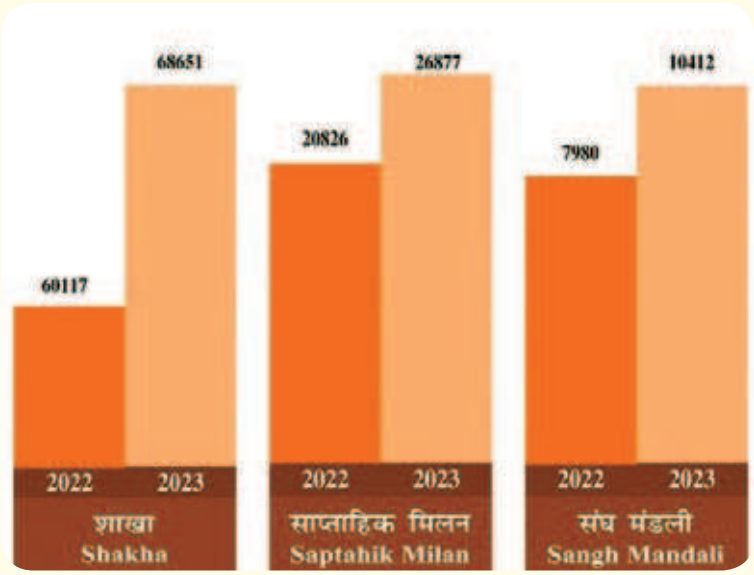

हो रहे हैं सकारात्मक परिवर्तन

सरकार्यवाह जी ने समाज में सही सोच के विकास, सामाजिक सहमति निर्माण व सकारात्मक परिवर्तन के लिए हुए प्रयासों की चर्चा करते हुए स्वच्छता अभियान, समरसता यात्रा, मंदिरों के संचालन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन आदि क्षेत्रों में विविध प्रयासों का उल्लेख किया। संघ के द्वारा पहल करते हुए किए गए कार्यों यथा गौ सेवा, ग्राम विकास, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन आदि गतिविधियों को समाज की ओर से मिले स्वागत व सहभागिता को उन्होंने परिवर्तन की लहर का शुभ संकेत बताया।

विघटनकारी शक्तियों से रहें सावधान

श्री होसबाले ने माना कि भविष्य का मार्ग इतना भी सरल नहीं है। स्वार्थी, राष्ट्रघातक तत्वों की कुटिलता के कारण कई सामाजिक व राष्ट्रीय चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

ये शक्तियां भारत की एकता और उन्नति के विरुद्ध नई साजिशों की योजना बनाती हैं। देश-समाज के विषयों में विकृत विमर्श को प्रसारित कर भ्रम फैलाना उनका उद्यम बन गया है। समाज की किसी परिस्थिति या घटना को बहाना बना कर भाषा, जाति या समूह में कलह करवाने के साथ ही आतंक, विद्वेष, अराजकता व हिंसा की कुत्सित घटनाएं देखने में आई हैं।

मजहबी उन्माद- समाज ने किया प्रतिकार

उदयपुर जैसे कई स्थानों पर मजहबी उन्माद से निरीह व्यक्तियों की निर्मम हत्या, हिंदू युवतियों को फुसलाकर धोखे से शादी व कई बार उनकी हत्या, जमीन पर अवैध कब्जे आदि की घटनाओं की चर्चा करते हुए होसबाले जी ने कहा कि ऐसे घातक कुकृत्यों के विरोध में हिंदू समाज ने सामूहिक रूप से भर्त्सना करते हुए अनेक स्थानों पर बड़ी संख्या में प्रदर्शन किया है। यह जागृत समाज का कार्य आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है।

संघ कार्य

शाखाएं	68,651
सा. मिलन	26,877
संघ मंडली	10,412
कुल	**1,05,940**

स्थान

शाखा स्थान	42,613
मिलन स्थान	26,877
मंडली स्थान	10,412
कुल स्थान	**79,902**

मतांतरण से सावधान

देश के कई भागों में मतांतरण की साजिश दिखाई देती है, इस संबंध में उच्चतम न्यायालय द्वारा व्यक्त चिंता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदू समाज का धार्मिक व सामाजिक नेतृत्व इस समस्या को गंभीरता से समझकर धर्म के संरक्षण-संवर्धन के लिए आगे आ रहा है। इस हेतु सामूहिक व समन्वित प्रयत्न की आवश्यकता है।

समाज हो रहा है संघ कार्य में सहभागी

सरकार्यवाह जी ने कहा कि समाज संगठन, समाज-जागृति एवं राष्ट्र निर्माण की अपनी साधना में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सौ वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। इस संघ कार्य में जनता स्वयं सहभागी हो रही है तथा अपार सहयोग दे रही है।

कार्य को देनी होगी गति

श्री दत्तात्रेय ने आह्वान किया कि संघ कार्य को तीव्रगति देनी ही होगी। शताब्दी वर्ष के लक्ष्य के लिए कार्य विस्तार एवं गुणवत्ता के सार्थक प्रयास करने होंगे। समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवन शैली, परिवार प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य का जागरण आदि समाज परिवर्तन के विविध आयामों को प्रभावी बनाना होगा। वैचारिक विमर्श को राष्ट्रीय दिशा देना और समाज की सज्जन शक्ति का सही संचालन आदि भी करने होंगे।

सपने साकार होने की बेला है निकट

एक स्वाभिमानी, समृद्धशाली, सुशील संपन्न, संगठित एवं समरस भारत के समग्र तथा सुंदर प्रारूप को लेकर संघ कार्य अग्रसर हो रहा है। संघ के स्वयंसेवक संगठनात्मक उपलब्धियों को सुदृढ़ कर समस्या तथा चुनौतियों का क्षमता से सामना करते हुए समाज में सर्वत्र आत्मविश्वास का दीप जला कर सक्रियता की मालिका का निरंतर निर्माण कर रहे हैं। इसी राष्ट्र साधना को हम अधिक समर्पण भाव से करते आगे बढ़ेंगे ताकि अपने सपने साकार होने की स्वर्णिम वेला को इन्हीं शरीरों व आँखों से हम देख सकेंगे।

पूर्ण विजय संकल्प हमारा
अनथक अविरत साधना।
निश दिन प्रतिपल चलती आयी
राष्ट्र धर्म आराधना।।

वार्षिक प्रतिवेदन के मुख्य अंश

संघ कार्य के विस्तार का एक सफल वर्ष

सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले ने प्रतिनिधि सभा में प्रस्तुत अपने प्रतिवेदन में उल्लेख किया कि पिछला वर्ष संघ कार्य के विस्तार की दृष्टि से एक सफल वर्ष रहा। वर्ष भर शाखा कार्य की नित्य साधना के साथ-साथ कार्यकर्ता प्रशिक्षण तथा नए-नए प्रयोगों के माध्यम से कार्य की गुणवत्ता तथा प्रभाव बढ़ाने के प्रयासों के साथ ही व्यापक प्रवास एवं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद के कारण संघ कार्य अधिक सुदृढ़ हुआ है।

सरकार्यवाह जी ने बताया कि देश के कई स्थानों पर संघ कार्य का सघन विस्तार हुआ है। उन्होंने विभिन्न प्रांतों के उदाहरण भी इस संबंध में दिए। इनमें से कुछ आगे दिए जा रहे हैं-

सभी मंडलों व बस्तियों में शाखाएं

कर्नाटक दक्षिण में 355 नए अल्प-कालीन विस्तारकों ने स्वयंसेवकों के साथ घर-घर संपर्क किया। नवम्बर तक एक लाख से ज्यादा घरों में संपर्क हुआ। 11 दिसम्बर, 2022 को हुए मंडल बस्ती सांघिक कार्यक्रम में 7 हजार 278 गावों तथा 7 हजार 439 बस्तियों से कुल 1 लाख 70 हजार 356 स्वयंसेवक उपस्थित रहे। शिमोगा जिले की सभी 63 शहरी बस्तियों तथा 122 ग्रामीण मंडलों में शाखाएं आरंभ हो गई हैं।

इसी तरह **तेलंगाना** के कुकटपल्ली भाग की सभी 101 बस्तियों में शाखाएं प्रारंभ हो गई हैं।

'राखी फॉर नेशन'

पुणे के प्रमुख महाविद्यालयों में संपर्क अभियान चलाया गया तथा संघ परिचय वर्ग किए गए। 'राखी फॉर नेशन' के अंतर्गत महाविद्यालयों एवं बस्ती से सेना के जवानों को राखी भेजने का आह्वान किया गया। इस कारण 450 नए स्वयंसेवक जुड़े।

12 हजार नए स्थानों पर कार्य विस्तार

गुजरात में दिसम्बर में सात दिवसीय विस्तारक योजना ली गई। इसमें 311 कार्यकर्ताओं ने पूर्ण समय तथा 4001 कार्यकर्ताओं ने आंशिक समय देकर सहभागिता की। इनके माध्यम से 1249 नए स्थानों में कार्य विस्तार हेतु प्रयत्न हुए तथा 288 नयी शाखाएं तथा 444 नये साप्ताहिक मिलन आरंभ हुए। बनासकांठा विभाग के थराद जिले के सभी 58 मंडलों व सभी 5 बस्तियों से जिला एकत्रीकरण कार्यक्रम में 4759 स्वयंसेवक उपस्थित रहे। 6363 नए गणवेश बने। 1600 नए कार्यकर्ता (गटनायक) निर्माण हुए। जिला व खंड के 25 कार्यकर्ताओं ने अपने निजी व्यवसाय और नौकरी से 15 से 45 दिन तक की छुट्टी लेकर सतत प्रयास किए।

छत्तीसगढ़ का कोरबा एक पर्वतीय तथा वनाच्छादित जिला है जहां मात्र 50 गांवों में ही संघ को जानने वाले थे। परन्तु 'ग्राम शाखा विस्तार शिविर' लगाकर 165 नए ग्रामों तक संघ पहुँचा। 97 स्वयंसेवक नगर से 10 किमी दूरी के 52 ग्रामों को शाखा युक्त करने में प्रयासरत हैं।

4 की जगह 23 खंड हुए शाखा युक्त

पंजाब के बठिंडा विभाग में कार्य विस्तार हेतु खंडों के पालक तथा खंड प्रमुख बनाए गए। 2021 में जहां 4 खंड शाखा युक्त थे वहीं अब 23 खंड शाखा युक्त हैं।

जम्मू-कश्मीर में भी विस्तार

11 सितम्बर, 2022 को **रियासी नगर** के 'शाखा संगम' कार्यक्रम में 42 स्थानों की 64 शाखाओं (39 में से 33 मंडलों तथा 14 बस्तियों में से 13 बस्तियों) की सहभागिता रही।

बालदिवस पर 262 संचलनों में 30 हजार स्वयंसेवक

मेरठ में विद्यार्थी विभाग की योजनान्तर्गत वीर बाल दिवस के कार्यक्रम में पूरे प्रांत में 262 पथ संचलन हुए जिनमें 19 हजार 920 बाल तथा 10 हजार 912 शिशु स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

काशी में कार्यविस्तार की दृष्टि से हुए 4 दिसम्बर के कार्यक्रम में 1466 मंडलों व 917 बस्तियों में कार्यक्रम हुए इनमें कुल 76 हजार 523 स्वयंसेवक सम्मिलित हुए।

188 से बढ़कर 772 शाखाएं हुई

ओडिशा पश्चिम में कोरापुट विभाग में शाखा विस्तार के लिए 281 प्रवासी कार्यकर्ताओं व 47 अल्पकालीन विस्तारकों के प्रयत्न से शाखाओं की संख्या 188 से बढ़कर 772 हो गई।

इसी तरह के संघ कार्य के सघन विस्तार के कार्यक्रम राजस्थान क्षेत्र के तीनों प्रांतों (जयपुर, जोधपुर व चित्तौड़) में तथा कर्नाटक उत्तर, गोरक्ष, कानपुर, ओडिशा, दक्षिण असम, सौराष्ट्र, विदर्भ, मध्यभारत, महाकौशल आदि प्रांतों में भी हुए। अनेक स्थानों पर कार्यकर्ता प्रशिक्षण तथा गुणवत्ता विकास के कार्यक्रम भी हुए।

शारीरिक शिक्षण

स्वयंसेवकों ने लगाए 29 करोड़ से ज्यादा प्रहार

दिसम्बर, 2022 में हुए प्रहार महायज्ञ में देशभर की (39166 शाखाओं व 6668 साप्ताहिक मिलनों के) 59 हजार 409 स्वयंसेवकों द्वारा 29 करोड़ 38 लाख, 31 हजार 401 प्रहार लगाए।

घोष संचलन

घोष दिवस वाले दिन 784 स्थानों पर 13 हजार 589 स्वयंसेवकों ने संचलन एवं स्थिर वादन किया।

समाज जागरण के कार्य

सेवा कार्य

72 हजार से ज्यादा नियमित सेवा कार्य

जहां 11 हजार 534 व्यवसायी शाखाओं में सेवा कार्यकर्ता नियुक्त हुए हैं वहीं 8 हजार 495 बस्तियों को सर्वांगीण विकास के लिए शाखाओं को चिंहित किया गया है। देशभर में 46 हजार 229 सेवा उपक्रम किए गए तथा

कुल नियमित सेवा कार्यों की संख्या 72 हजार 604 है।

कुष्ठ रोग पीड़ितों की सेवा

कर्नाटक उत्तर की विजयपुर स्थित महात्मा गांधी कॉलोनी के 50-55 कुष्ठ रोग पीड़ित बंधुओं के लिए नित्य दोनों समय भोजन की व्यवस्था की गई है।

निःशुल्क कोचिंग

मालवा प्रांत के इंदौर विभाग की दीनदयाल नगर बस्ती में कोचिंग की आड़ में चल रहे धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए एक निःशुल्क कोचिंग सेंटर, शिशु वाटिका आदि कार्य शुरू किए गए हैं।

सिलाई प्रशिक्षण

दिल्ली के मयूर विहार जिले की त्रिलोकपुरी बस्ती में महिलाओं को सिलाई, कटिंग प्रशिक्षण की व्यवस्था कर साधन उपलब्ध कराए गए हैं। पहले जो बहिनें 250 रुपए प्रतिदिन कमाती थीं, वे अब 700 से ज्यादा कमा रही हैं।

विद्यार्थियों को सहयोग

मेरठ महानगर के रामेश्वर शाखा क्षेत्र की सराय काजी सेवा बस्ती में 'संत रविदास गुरुकुलम' की स्थापना की गई। वहां 1901 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। गायत्री मंत्र के उच्चारण से पढ़ाई शुरू होती है। वाल्मीकि जयंती पर सेवा बस्तियों में चिकित्सा शिविर लगाए गए जिनसे 5 हजार से अधिक बंधु-भगिनी लाभान्वित हुए।

चिकित्सा शिविर

मेरठ महानगर की व्यवसायी शाखाओं के माध्यम से 75 सेवा बस्तियों में चिकित्सा शिविर लगाए गए। 169 चिकित्सकों एवं 500 स्वयंसेवकों द्वारा यह कार्य किया गया।

सम्पर्क कार्य

जिला स्तर तक विभिन्न श्रेणियों के कुल 1 लाख 55 हजार 72 विशिष्ट व्यक्तियों से सम्पर्क का कार्य हो रहा है। इस कार्य में 10 हजार 799 कार्यकर्ता जुड़े हैं। गत वर्ष अ.भा.प्रतिनिधि सभा के प्रस्तावों को 27 हजार 607 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष मिलकर दिया गया तथा 7 हजार 17 महानुभावों को ईमेल से भेजा गया सम्पर्कित समाज-बन्धुओं को संघ से परिचित कराने के लिए 323 'संघ परिचय वर्ग' का आयोजन हुआ जिनमें 11 हजार 626 लोगों की सहभागिता रही।

कर्नाटक दक्षिण प्रांत के मौसूरू महानगर की टोली ने समाज के प्रबुद्धजनों तथा नामांकित महानुभावों से संपर्क करने का एक नियमित कार्यक्रम बनाया हुआ है। **महाकौशल प्रांत** में समाज जीवन के सभी क्षेत्रों के प्रमुख ऐसे 1077 लोगों की संगोष्ठी हुई जिनका पूर्व में संघ से कोई संपर्क नहीं था। सरसंघचालक जी इस गोष्ठी में उपस्थित हुए।

प्रचार कार्य

संपादकों के साथ संवाद

संघ सरकार्यवाह जी ने इस वर्ष 5 स्थानों (चेन्नई, नागपुर, चंडीगढ़, लखनऊ, गुवाहाटी) में संपादकों आदि से संवाद किया। 26 सितम्बर, 2022 को दिल्ली में विदेशी मीडिया के पत्रकारों के साथ दो सत्रों में अनौपचारिक संवाद हुआ।

स्तम्भ लेखक बैठक

20-21 अगस्त,2022 को दिल्ली में देश भर के चयनित स्तम्भ लेखकों की बैठक सम्पन्न हुई।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बैठक

सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म में सक्रिय व प्रभावी लोगों की बैठक ग्रेटर नोएडा में अक्टूबर, 2022 में हुई।

साहित्य बिक्री व प्रकाशन

असम, मणिपुर, बंगाल, जम्मू-कश्मीर, तेलंगाना सहित लगभग सभी प्रांतों में साहित्य बिक्री का अभियान चलाया गया।'जंगल सत्याग्रह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' पुस्तक का प्रकाशन किया गया। चित्तौड़ प्रांत में 'मेवाड़ टॉक फेस्ट' आयोजित किया गया ●

कनार्टक के चित्रदुर्ग की धर्माचार्य सभा में पूज्य संतों के साथ डॉ. मोहन भागवत

सरसंघचालक जी के विशेष कार्यक्रम

वर्ष 2022-2023 में संघ सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 15 प्रांतों में प्रवास करते हुए संघ के कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन-संवाद करने के साथ कुछ विशेष कार्यक्रमों में भी उपस्थित रहे तथा कई प्रमुख लोगों से उनकी भेंट-संवाद भी हुआ। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

पूज्य माता अमृतानंदमयी "अम्मा" के साथ सरसंघचालक जी

देश के चार बड़े शहरों में प्रबुद्धजन बैठक व वार्तालाप-

दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई में हुई इन बैठकों में देश के सभी प्रांतों से प्रबुद्धजन और समाज जीवन के प्रतिष्ठित जन सहभागी हुए थे। इनमें उद्योगी, समाज सेवी, निवृत प्रशासनिक अधिकारी, प्राध्यापक तथा क्रीड़ा जगत आदि के गणमान्यों का सहभाग रहा।

युवा उद्यमियों से वार्तालाप

युवा उद्यमियों से वार्तालाप का कार्यक्रम बेंगलुरु तथा दिल्ली में और Round Table India Group के अ. भा. स्तर के कार्यकर्ताओं से वार्तालाप का कार्यक्रम नागपुर में संपन्न हुआ।

प्रमुख लोगों से भेंट

बेंगलुरु में श्री अजीम प्रेमजी, मुंबई में श्री अर्धेन्दु बोस जी, श्री विशद मफतलाल जी और श्री आदिनाथ मंगेशकर जी, त्रिपुरा की राजमाता विभु देवी जी, दिल्ली में मौलाना उमर इलयासी जी से मिलकर वार्तालाप हुआ तथा केरल में माता अमृतानंदमयी 'अम्मा', अहमदाबाद में रत्नसुंदर सुरि जी महाराज तथा चित्रदुर्ग के मादरचेन्नया स्वामी जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। गणमान्यों के लिए आयोजित विशेष बैठकों में श्रीमती पी.टी. उषा, क्रिकेटर श्री रविन्द्र जडेजा, पतंजलि योग पीठ के आचार्य बालकृष्ण जी, गायक राशिद खान जी तथा फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार जी से मिलना हुआ।

भगवान वाल्मीकि जयंती में सहभागिता

कानपुर प्रांत प्रवास के समय 9 अक्टूबर, 2022 को भगवान वाल्मीकि जयंती के कार्यक्रम में सहभागी होकर मार्गदर्शन किया।

महिला चरित्र कोष का प्रकाशन

संघमित्रा सेवा प्रतिष्ठान, सेविका प्रकाशन द्वारा प्रकाशित अखिल भारतीय महिला चरित्र कोष के प्रथम खंड का प्रकाशन सरसंघचालक जी के द्वारा 17 अगस्त, 2022 को नागपुर में हुआ।

खासी जनजाति के पवित्र शिखर यू लुम सोहपेटवनेंग, मेघालय में पूजा करते हुए भागवत जी

स्वतंत्रता सेनानी परिवार सम्मान कार्यक्रम

15 अगस्त, 2022 को नागपुर संघ कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा फहराया। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में मलखाचक, उत्तर बिहार का बड़ा योगदान रहा है। यहाँ 27 नवम्बर, 2022 को आयोजित 'स्वतंत्रता सेनानी परिवार सम्मान' कार्यक्रम में सहभागी हुए।

स्वामीनारायण संस्थान के कार्यक्रम में

21 दिसम्बर, 2022 को कर्णावती में संपन्न हुए स्वामीनारायण संस्थान (BAPS) के प्रमुख स्वामी महाराज जी के शताब्दी वर्ष समारोह में सहभागी हुए। उस दिन समरसता दिवस का आयोजन किया गया था। परिसर का दर्शन कर शाम को गोष्ठी में सहभाग और उद्बोधन हुआ।

कार्यकर्ताओं के परिवारजनों से वार्तालाप

संघ के कार्यकर्ताओं से संवाद और चर्चा करने के साथ ही सरसंघचालक जी ने 5 केन्द्रों पर कार्यकर्ताओं के परिवारजनों के लिए बौद्धिक वर्ग, पारिवारिक गपशप, परिवार संवाद भी संपन्न हुए। ●

सरकार्यवाह जी के विशेष कार्यक्रम

संघ के सभी क्षेत्रों में प्रवास करते हुए संघ-शाखा कार्य के सुदृढ़ीकरण व गुणवत्ता हेतु सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले गत वर्ष देश के विभिन्न कार्यक्रम-बैठक आदि में रहे सार्वजनिक रूप से भी उनके कई कार्यक्रम होते रहे । इनमें से कुछ निम्नानुसार हैं-

प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठियां

हुगली, सिलीगुड़ी, इम्फाल, धर्मनगर, **जोधपुर, अजयमेरु,** भोपाल आदि स्थानों पर प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिनमें सामान्यतया **'वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य एवं हमारी भूमिका' इस विषय पर व्याख्यान रहा।**

महाविद्यालय विद्यार्थी शिविर

तेलंगाना में खंड-नगर कार्यवाह, द.असम में मंडल बस्ती प्रमुख एवं मेरठ में महाविद्यालय विद्यार्थियों का शिविर आयोजित किया गया।

युवा उद्यमियों से संवाद

भोपाल प्रवास के अवसर पर युवा उद्यमियों एवं सेवा प्रदाताओं के साथ दो भिन्न-भिन्न सत्रों में संवाद का कार्यक्रम रखा गया जो कि नवीन प्रयोगों की दृष्टि से अच्छा रहा।

मीडिया से संवाद

प्रचार विभाग द्वारा चयनित महानगरों में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के संपादकों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए जो की अत्यंत प्रभावी रहे।

तिरंगा ध्वजारोहण

इसी प्रवास क्रम में राष्ट्रीय पर्व 'स्वतंत्रता दिवस' के अवसर पर चेन्नई में गणतंत्र दिवस के दिन जालंधर में ध्वजारोहण के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

शहीद सम्मान एवं लोक मंथन

इस वर्ष जम्मू-कश्मीर पीपल्स फोरम द्वारा जम्मू में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित शहीद सम्मान कार्यक्रम में रहना हुआ। इसी सत्र में गुवाहाटी में आयोजित लोकमंथन-2022 में सहभाग किया।

बोधगया एवं नेताजी स्मारक

बोधगया स्थित बोध वृक्ष एवं भगवान बुद्ध मंदिर के दर्शन एवं पूजन का सौभाग्य मिला। मणिपुर में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती के

बुद्ध मंदिर बोधगया में मा. सरकार्यवाह जी

दिन मोइरांग स्थित नेताजी स्मारक पर पुष्पार्चन किया तथा आईएनए स्मारक का दर्शन किया।

श्री स्वामीनारायण संस्था का कार्यक्रम

श्री स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा प्रमुख स्वामी महाराज के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में कर्णावती में आयोजित समारोह में सहभाग किया।

हॉस्पिटल का लोकार्पण

बेंगलुरु प्रवास के दौरान राष्ट्रोत्थान परिषद द्वारा नवनिर्मित 'राष्ट्रोत्थान हॉस्पिटल' के लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लिया।

जयपुर में व्याख्यान

लखनऊ में राष्ट्रधर्म प्रकाशन के हीरक जयंती कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। जयपुर में एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित दीनदयाल स्मृति व्याख्यान में 'संघ-कल, आज और कल' विषय पर व्याख्यान हुआ। कोल्हापुर के निकट स्थित श्री सिद्धिगिरी क्षेत्र पर व्याख्यान हुआ। कोल्हापुर के निकट स्थित श्री सिद्धगिरि क्षेत्र कणेरी मठ में आयोजित पंचमहाभूत लोकोत्सव के समापन में रहना हुआ। ●

'राष्ट्रधर्म' के अमृत महोत्सव निमित्त विमोचन करते सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले

समाज परिवर्तन की ओर बढ़ते कदम

गतिविधियाँ

संघ की ओर से पर्यावरण संरक्षण, ग्राम विकास, सामाजिक समरसता, गो सेवा, कुटुम्ब प्रबोधन आदि गतिविधियाँ देशभर में चलाई जा रही हैं। इन गतिविधियों के अंतर्गत देशभर में बहुत से उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। सरकार्यवाह जी के प्रतिवेदन में इनमें से कुछ उल्लेखनीय कार्यों को शामिल किया गया है।

पर्यावरण संरक्षण

पर्यावरण की रक्षा का मतलब स्वयं की रक्षा करना है तथा 'विरोध नहीं विकल्प' के सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ जन सहभागिता से पर्यावरण संरक्षण के लिए जन अभियान खड़ा करने में संघ लगा है। इस कार्य का विस्तार खंड- नगर स्तर तक हुआ है। इस गतिविधि द्वारा पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन को आगे बढ़ाने के लिए 17 प्रचारकों के साथ ही 3 हजार 306 कार्यकर्ता सक्रिय हैं। देश में अब तक 19 हजार 722 स्थानों पर 2 लाख 27 हजार 514 हरित घर बने हैं।

स्वच्छ सागर- सुरक्षित सागर

इस अभियान के अंतर्गत भारत के 7 हजार 500 किमी लंबी समुद्री सीमा पर स्थित 836 समुद्रतट-स्थानों पर स्वयंसेवी संस्थाओं की सहभागिता से 738 टन पॉलिथीन कचरा एकत्रित किया गया जो एक विश्व कीर्तिमान है। इस कार्य में सीमा जागरण मंच, पृथ्वी मंत्रालय, एनएसएस, एसएफडी जैसे 12 संस्थानों ने भी भाग लिया।

वृक्षारोपण, तालाबों को पुनर्जीवित करना आदि

वृक्षारोपण के साथ ही पानी-साक्षरता व पानी-व्यवस्थापन द्वारा पानी का उपयोग घटाना, तालाबों को पुनर्जीवित करना, पॉलिथीन मुक्त जीवन के प्रति लोगों में जागृति आदि कार्य स्थान-स्थान पर किए गए। कर्नाटक दक्षिण प्रांत के बेंगलुरु दक्षिण के बेगुर नगर की अक्षय तथा मुत्तुराया शाखा द्वारा ऐसे कई सामाजिक उपक्रम चलाए जा रहे हैं। वहां कोविड के समय शाखा टोली ने 4253 लोगों का टीकाकरण कराया। पर्यावरण पूरक चूल्हा तथा कम्पोस्ट खाद बनाने की प्रणाली को भी कुछ घरों में स्थापित किया गया है।

पुरानी साड़ियों से थैलियां निर्माण

पॉलिथीन मुक्त वातावरण के प्रति लोगों को प्रेरित करने के लिए पश्चिम महाराष्ट्र के सांगली शहर व आसपास के गांवो में पुरानी साड़ियों से थैलियां बनाकर वितरित की गई। नवरात्रि काल में ऐसी 4 हजार थैलियां बनाई गई थी। महिला बचत-गट व महाविद्यालयीन युवतियों द्वारा कपड़े की थैलियों का निर्माण, ग्राहक संपर्क तथा हरित घर की संकल्पना के बारे में चित्र-रूप विश्लेषण करने वाले पर्चे बांटे गए। 4 हजार परिवारों तक संपर्क किया गया।

मध्य भारत प्रांत के ग्वालियर में भी 'पर्यावरण सचेतक समिति' का गठन कर 50 हजार से अधिक कपड़े की थैलियों का वितरण किया गया। अब तक इस कार्य में 52 सामाजिक संस्थाएं जुड़ गई हैं। डेढ़ लाख लोगों ने पॉलिथीन मुक्त ग्वालियर बनाने का संकल्प लिया है।

नदी में गंदा जल मिलने से रोकना

उज्जैन में 'क्षिप्रा नदी संरक्षण अभियान' के अंतर्गत न सिर्फ नदी में गंदा जल मिलने से रोकने वरन् कैचमेंट एरिया में जल संरक्षण के विभिन्न कार्य जन सहयोग से किए जा रहे हैं। उज्जैन से 7 किमी दूर चंद्रभागा नदी पर श्रमदान किया गया। यहां से निकली मिट्टी को किसान अपने खेतों में ले गए। पाँच किमी से ज्यादा नदी को गहरा और चौड़ा किया गया तथा स्थान-स्थान पर स्टॉप-डैम बनाए गए हैं। इस कार्य से आसपास में जमीनी जल स्तर बढ़ा है आसपास सघन पौधारोपण सहित तालाब निर्माण व अन्य कार्य प्रस्तावित हैं।

पंजाब में हरियावल मेला

20 नवम्बर को आयोजित इस मेले में पौधों का लंगर लगाया गया। पर्यावरण विषय पर चित्रकला स्पर्धा में 39 विद्यालयों के 437 छात्र-छात्राएं सहभागी हुए। विद्यार्थियों द्वारा समस्या समाधान के मॉडल, रासायनिक वस्तुओं के विकल्प की बिक्री आदि के कार्यक्रम भी हुए।

ग्राम विकास

इस गतिविधि के अंतर्गत राजस्थान के **चित्तौड़ व जयपुर प्रांत** में रोजगार सृजन के अच्छे प्रयास हुए हैं। कार्यकर्ताओं के प्रयास से **केरल** के 7 ग्राम संघर्ष-विवाद मुक्त हुए हैं। **देवगिरी प्रांत** में ग्राम विकास के कार्य में महिलाओं का सहभाग बढ़ा है। **सौराष्ट्र प्रांत के कटड़ा गांव** की सरकारी स्कूलों में ग्राम समिति के माध्यम से पक्षियों के लिए दाना जैसे कार्य किए जा रहे हैं। किसानों के हितों का संरक्षण करने एवं उन्हें बीज व अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दृष्टि से 11 संकुलों में 'कृषि उत्पाद कंपनियों (एफपीओ)' का निर्माण हो चुका है। जैविक कृषि करने वालों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है।

छोटे-छोटे रोजगार जैसे मुरब्बा बनाना, आचार बनाना, सिलाई करना आदि से महिलाओं की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भूमिहीन किसानों के लिए मशरूम खेती तथा मधुमक्खी पालन आय का अच्छा साधन बने हैं।

केरल में पंच-मुक्त एवं पंच-युक्त ग्राम

केरल प्रांत के इरिंजालक्कुडा जिले के तिरुवल्लूर गांव के स्वयंसेवकों ने वर्ष 2025 से पूर्व अपने गांव को 'पंचमुक्त' यानि 1.व्यसनमुक्त 2.ऋणमुक्त 3. रोगमुक्त 4. अपराधमुक्त व 5. विवादमुक्त बनाकर 'पंचयुक्त' यानि 1.आर्थिक रूप से स्वावलंबी 2. जैविक कृषियुक्त 3. शिक्षणयुक्त 4. समरसतायुक्त व 5. स्वावलंबनयुक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए ग्राम विकास समितियों के माध्यम से प्रयास आरंभ हुए।

ग्रामीण विद्यार्थियों का विकास

ग्रामीण पुस्तकालय, प्रतिभाशाली छात्रों का सम्मान, गरीब विद्यार्थियों की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता, कैरियर मार्गदर्शन, अध्ययन यात्रा का आयोजन होता है। संस्कृति संवर्धन हेतु सत्संग, गीता ज्ञान यज्ञ, तीर्थ यात्राएं, विद्यार्थी शिविर, ओणम और अन्य त्योंहार, रामायण, चिंतन सत्र आदि का आयोजन होता है।

हरियाणा में समरस गंगा सम्मान कार्यक्रम में स्वच्छता कर्मचारी बहिनों का सम्मान

गांवों में समरसता

मंदिर में सभी को प्रवेश तथा ओणम के समय सभी घरों से अनाज लाया जाता है। उसे मिलाकर सभी प्रसाद ग्रहण करते हैं। गांव की सुरक्षा के लिए 'कलरी' मार्शल कला का प्रशिक्षण केन्द्र भी है।

पर्यावरण जागरूकता

पर्यावरण रक्षण हेतु वृक्ष पूजा व भूमि पूजा, वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन, 'महिला सेवा समर्पण समिति' तथा 'ग्राम विकास समिति' द्वारा किया जाता है।

कुटुम्ब प्रबोधन

घर को भक्तिमय-शक्तिमय-आनन्दमय बनाना, जन्मदिन मनाते समय भारतीयता की ओर ध्यान देना, अपने जीवन व्यवहार में भेदभाव नहीं करना, स्वदेशी एवं पर्यावरण संरक्षण के छोटे-छोटे उपक्रमों को लेकर चिंतन-चर्चा करना और अपने आचरण में परिवर्तन लाना कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि में शामिल रहता है।

कुटुम्ब प्रबोधन संयोजक व कार्यकर्ता (जिन्हें कुटुम्ब-मित्र कहा जाता है) विवाह योग्य युवक-युवतियों तथा नवदंपतियों के साथ संपर्क-संवाद कार्यक्रम आयोजित करते हैं। 'रामभक्ति-राष्ट्रभक्ति' जगाने के लिए श्री रामनाम संकीर्तन करते हैं। योग दिवस पर सामूहिक सूर्य नमस्कार-योगासन सहित 'यम-नियम' पर चर्चा-प्रबोधन सारे भारत में सम्पन्न हुए हैं।

दीपावली पर्व पर देश के लिए बलिदानी हुतात्माओं की स्मृति में दीप प्रज्वलित करना, फतेह सिंह-जोरावर सिंह की स्मृति में बलिदान दिवस, भारत माता पूजन, बसंत पंचमी, मातृ-पितृ वंदना आदि कार्यक्रम भी स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित किए गए।

जिला व प्रांत टोली सदस्य एवं कुटुम्ब मित्रों में देशभक्ति तथा धार्मिक आस्था-श्रद्धा जागरण हेतु ऐतिहासिक व आध्यात्मिक स्थानों के दर्शन-अवलोकन-अनुभूति हेतु यात्राओं का आयोजन किया जाता है।

वर्ष में विभिन्न उपक्रमों द्वारा देशभर में 1 लाख 50 हजार से ज्यादा परिवारों के साथ संपर्क-संवाद किया गया है।

पंजाब प्रांत द्वारा 23 से 25 दिसम्बर को हरिद्वार में गंगा के तट पर पूजनीय श्री बंशी वाले बाबा के पावन आश्रम में तीन दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया गया।

सामाजिक समरसता

समाज में सामाजिक समरसता लाने की दृष्टि से देश के 13 हजार 575 ग्रामों का सर्वेक्षण कार्य किया गया। सभी के लिए मंदिर प्रवेश, मुक्त जलाशय तथा समान श्मशान भूमि पर जोर दिया गया। समस्याग्रस्त स्थानों को चिन्हित कर उनके निर्मूलन की योजना बनाई जा रही है।

समरसता यात्राएं

दिल्ली में महर्षि वाल्मीकि जी की शोभायात्रा का समाज के विभिन्न वर्गों एवं मुख्य मंदिरों द्वारा स्वागत हुआ। **महाराष्ट्र** के संत चोखा महाराज के जन्म स्थान से संत तुकाराम जी के स्थान तक 'चोखेबा से तुकोबा-एक वारी समता की'यात्रा का आयोजन हुआ।

इसमें 45 कार्यक्रमों के माध्यम से समरसता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया गया । 'मीरां चली सद्गुरु के धाम' यात्रा के अंतर्गत 43 जिलों में 103 कार्यक्रम हुए। 270 संत इस समरसता यात्रा में थे।

संविधान दिवस

8 प्रांतों में भारतीय संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु संविधान दिवस का आयोजन हुआ।

स्वच्छता-कर्मचारी सम्मान

14 प्रांतों के 100 जिलों में स्वच्छता कर्मचारियों के सम्मान व सर्वेक्षण का कार्य किया गया। उनके विकास के कार्यक्रम चलाए गए।

हरियाणा में व्यवसायी व उद्यमी महिलाओं की 70 टोलियों द्वारा 700 महिला स्वच्छता कर्मचारी बहिनों का सर्वेक्षण किया गया। 'समरस गंगा सम्मान' के अंतर्गत 500 बहिनों का सम्मान किया गया। उनके नियमित स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन भी होता है।

समरसता सम्मेलन

विभिन्न प्रांतों में ऐसे सम्मेलन हुए हैं। **आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा** में 105 वर्ष पूर्व हुए सम्मेलन को याद करने के लिए अनुसूचित जाति सभा का आयोजन वैशिष्ट्य पूर्ण रहा।

छत्तीसगढ़ प्रांत के रामगढ़ विभाग में कोलता व सतनामी समाज की दूरिया मिटाने की दृष्टि से संत शिरोमणि गुरु घासीदास बाबा की जयंती पर दिग्दर्शिका का प्रकाशन किया गया। कार्यक्रम में दोनों समाज के प्रमुख उपस्थित थे।

देश के अनेक स्थानों पर समन्वय एवं सद्भाव बैठकों का आयोजन हुआ है।

गौ-सेवा

भारत में देशी गायों की संख्या 2 लाख 15 हजार 825 है। 11 हजार 58 घरों में गोबर गैस का उपयोग हो रहा है। 7 हजार 657 गौशालाएं संचालित की जा रही हैं। गत दीपावली में 25 लाख से ज्यादा गोमय दीपक बनाए गए तथा 5 लाख 63 हजार 398 घरों में इनका उपयोग किया गया। 88 स्थानों पर हुई गौ-विज्ञान परीक्षा में 1 लाख 19 हजार 461 छात्र सम्मिलित हुए। 369 स्थानों पर हुए गौ-कथा के आयोजनों में 1 लाख 19 हजार 461 गौ-भक्त उपस्थित थे।

वर्तमान में देश के गांव स्तर से विभाग स्तर तक 35 हजार 960 कार्यकर्ता गो-सेवा गतिविधि में कार्यरत हैं। 1009 स्थानों पर हुए कार्यकर्ता-प्रशिक्षण वर्गों में 23 हजार 343 कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धर्म जागरण समन्वय

भव्य बंजारा कुम्भ

महाराष्ट्र के जलगांव जिले के जामनेर तहसील गोद्री स्थान पर अ.भा. हिंदू गोर बंजारा एवं लबाना नायकड़ा समाज का भव्य कुम्भ 25 से 30 जनवरी, 2023 तक सम्पन्न हुआ। बंजारा समाज के तीर्थ स्थल श्री क्षेत्र पोहरादेवी के पीठाधीश पूज्य श्री बाबुहिंग महाराज इस कुम्भ के निमंत्रणकर्ता थे। जलगांव (पाल) के पूज्य गोपाल चैतन्य महाराज सह-निमंत्रक थे।

कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश राज्यों को केन्द्रित करके यह कुम्भ किया गया था। कुम्भ पूर्व इन राज्यों में बंजारा समाज में मतांतरण व अन्य मतावलंबी समस्या के संबंध में सर्वेक्षण किया गया था। उपरोक्त राज्यों एवं राजस्थान, छत्तीसगढ़, पंजाब व गुजरात से लगभग 9 लाख बंजारा बंधु कुम्भ में आए थे। इस कुम्भ में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता, बंजारा एवं लबाना समाज की संस्कृति, इतिहास, रूढ़ि, परंपरा आदि विषयों पर प्रदर्शनी लगाई गई। वहां पारम्परिक नृत्य एवं तलवारबाजी का प्रदर्शन भी हुआ। मतांतरण रोकने के लिए कानून बने तथा बंजारा समाज हिंदू ही है, इन विषयों पर प्रस्ताव पारित हुए।

इस कुम्भ में द्वारका पीठ के पू.शंकराचार्य सहित देश के अनेक नामी-गिरामी संतों तथा प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन रहा। ●

सरकार्यवाह जी के प्रतिवेदन में

राजस्थान क्षेत्र के प्रांतों का उल्लेख

राजस्थान के तीनों प्रांतों (जयपुर, जोधपुर व चित्तौड़) में कार्यकर्ता प्रशिक्षण के साथ ही संघ कार्य का व्यापक विस्तार हुआ है तथा ग्राम विकास, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता आदि गतिविधियों के अंतर्गत भी समाज परिवर्तन के कार्य हुए हैं। इनमें से कुछ कार्यों का उल्लेख उदाहरण स्वरूप सरकार्यवाह जी द्वारा प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन में किया गया है, जो निम्नानुसार है-

कार्यकर्ता प्रशिक्षण एवं गुणवत्ता विकास

भीलवाड़ा महानगर के श्रीगुरुजी संयुक्त विद्यार्थी शाखा द्वारा गुणवत्तापूर्ण घोष पथक तैयार करने हेतु वर्ष भर किए गए विविध प्रयास व सतत अभ्यास के चलते शाखा के स्वतंत्र दो घोष पथक तैयार हुए, कई रचनाओं का वादन करने वाले कुल 47 घोषवादक हैं।

जोधपुर प्रांत के प्रौढ़ कार्यकर्ताओं की बड़ी बैठक सम्पन्न हुई। एक हजार से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। 650 कार्यकर्ताओं का गतिविधि व अन्य संगठनों में नियोजन किया। इसी प्रकार जोधपुर महानगर ने 145 बस्तियों में प्रत्येक गतिविधि को एक-एक कार्यकर्ता दिया। कुल 744 कार्यकर्ताओं का नियोजन किया। इनका मासिक प्रशिक्षण वर्ग नियमित चल रहा है।

मेवाड़ टॉक फेस्ट

प्रचार विभाग **उदयपुर** व अरावली मोशन, विश्व संवाद केन्द्र द्वारा युवाओं और प्रबुद्ध समाज को विचार मंथन का प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 23 जनवरी, 2023 को 'मेवाड़ टॉक फेस्ट मंच 2023'के नाम पर संवादोत्सव का आयोजन किया गया। चार अत्यधिक ज्ञानवर्धक सत्र हुए, जिनमें मूवी स्क्रीनिंग, अतिथि भाषण,पैनल चर्चा और फिश बॉल स्टॉर्मिंग सत्र शामिल थे। प्रो.भगवती प्रकाश शर्मा, प्रो.संगीता प्रणवेन्द्र, श्री अभिनव पंडया और श्रीमती अंजलि वर्मा ने अपने ज्ञान से आगन्तुकों का समाधान किया। टीम एमटीएफ ने कॉलेजों, स्कूलों, कोचिंग सेंटरों और अन्य शैक्षिक संगठनों सहित 50 से अधिक संस्थानों से संपर्क किया। 22 जनवरी की शाम तक कुल 751 लोगों का ऑनलाइन पंजीकरण किया गया।

स्वावलंबन युक्त ग्राम रचना

झालावाड़ जिले में गुराडी व्यवसायी शाखा के स्वयंसेवकों द्वारा स्वावलंबन युक्त ग्राम रचना हेतु किए गए विगत 12 वर्षों के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप 7 बचत समितियों के माध्यम से लगभग 2500 लोगों को व्यवसाय, शिक्षा, विवाह भवन निर्माण आदि के लिए न्यूनतम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया गया। ग्राम में 79 दुकानों तथा 300 गौशाला आदि के कारण लगभग प्रत्येक परिवार रोजगार युक्त हुआ है। 27 नवम्बर को सम्पन्न ग्राम महोत्सव के अवसर पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया गया।

प्रबुद्धजन सम्मेलन

अजयमेरु में माननीय सरकार्यवाह जी का दो दिवसीय प्रवास सम्पन्न हुआ। 8 अक्टूबर को आयोजित प्रबुद्ध जनसम्मेलन में राजस्थान के प्रचलित परंपरा के विपरीत, 386 प्रबुद्ध मातृशक्ति की उपस्थिति रही। 9 अक्टूबर को वर्षा, सर्दी की चुनौतीपूर्ण स्थिति में भी महानगर के 2069 स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण में सरकार्यवाह जी का मार्गदर्शन मिला।

कार्य विस्तार

निम्बाहेड़ा जिले के कार्यकर्ताओं ने कोरोना काल में सेवा कार्य करते समय सम्पर्कित बंधुओं को संघ कार्य से जोड़ने तथा कार्य विस्तार की 5 वर्ष की योजना बनाई। इसे पूर्ण करने के लिए एक शाखा से दूसरी शाखा, खंड एवं जिला कार्यकारिणी का नियमित प्रवास, उपखंड अभ्यास वर्ग तथा विस्तारक भेजने की योजना बनाई तथा उसे कार्यान्वित भी किया। विस्तारकों को रिक्त मंडलों में, मुख्य मार्ग के ग्रामों में तथा जिस गांव में कभी शाखा थी ऐसे ग्रामों में भेजा गया। जिले में 2020 में 118 स्थानों पर 133 शाखाएं थीं। नियोजित प्रयासों के कारण अब 2022 में 132 स्थानों पर 152 शाखा है। 2025 तक 305 स्थानों पर 452 शाखाओं का लक्ष्य है।

जोधपुर प्रांत में विशेष योजना बनाई गई जिसमें 1237 स्थान पर 2180 अल्पकालीन विस्तारक गए। सोजत जिले ने पूर्ण मण्डल की योजना बनाई थी। 2020-21 में लक्ष्य 101 स्थान और 135 शाखा का था, 92 स्थान तथा 120 शाखा तक पहुँचे थे। 2021-22 का लक्ष्य 112 स्थान तथा 155 शाखा का था। वर्तमान में 100 स्थानों पर 132 शाखा हैं। रायपुर खंड के प्रत्येक गांव में 2025 तक शाखा करने का लक्ष्य है अभी 12 में से 9 मंडल पूर्ण हैं। सभी 16 बस्ती पूर्ण है। बड़ी आयु के मिलन पर अधिक प्रयत्न किया जा रहा है।

समाजोभिमुख कार्य

सांगानेर महानगर के गोवर्धन प्रौढ़ व्यवसायी शाखा द्वारा किए गए सामाजिक अध्ययन में शाखा क्षेत्र में पाई गई समस्या का समाधान करने का प्रयास हुआ। बस्ती में सीवरेज लाइन न होने से गंदगी भी रहती थी और आए दिन झगड़े भी होते थे। शाखा स्वयंसेवकों की अगुवाही में लगभग 12 किलोमीटर लंबी सीवरेज लाइन डलवाने का कार्य लोक सहयोग के माध्यम से मात्र 2 करोड़ (सरकारी अनुमानित खर्च 12 करोड़ रुपये) की लागत से सफलतापूर्वक किया गया।

सामाजिक अध्ययन

जोधपुर महानगर के महामन्दिर नगर की एक व्यवसासी शाखा (परमवीर मेजर शैतान सिंह शाखा) ने अपनी बस्ती का सामाजिक अध्ययन कर दो हिन्दू जातियों की बीच आये दिन झगड़े होने की समस्या को सुलझाने का प्रयास किया। शाखा ने दोनों पक्षों को समझाकर झगड़ा शांत कराया और आज आपसी सामंजस्य से बस्ती का विकास कार्य चल रहा है। ●

अन्य प्रांतों के विशेष कार्यक्रम

आंध्र प्रदेश में 'देश के लिए एक दिन'

आंध्र प्रदेश के कर्नूल विभाग के सभी गांवों में स्वाधीनता के अमृत महोत्सव पर 11 सितम्बर, 2022 को 'देश के लिए एक दिन' कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विभाग के सभी 494 गांवों में भारत माता पूजन हुआ तथा 802 गांवों में अन्य कार्यक्रम भी हुए। 74 हजार 943 परिवारों से संपर्क किया गया तथा 92 हजार 500 कर पत्रक व स्टिकर्स का वितरण हुआ।

पश्चिम महाराष्ट्र में संतों का प्रवास व रुद्राक्ष प्रदान कार्यक्रम

प्रांत में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी संवेदनशील गांव व बस्तियों में हिंदू जागरण व आस्था वर्धन हेतु 78 पूज्य संतों व 1510 कार्यकर्ताओं द्वारा 622 स्थानों पर हुए कार्यक्रमों में रूद्राक्ष प्रदान किए गए।

नासिक जिले में संविधान अभ्यास वर्ग

6 नवम्बर, 2022 को आयोजित संविधान अभ्यास वर्ग में 168 युवाओं ने भाग लिया। 26 नवम्बर को 90 स्थानों पर संविधान दिवस मनाया गया।

मध्य प्रदेश में रोजगार सृजन केन्द्र व नागपुर में 'उत्तिष्ठ भारत'

नागपुर महानगर में 'उत्तिष्ठ भारत' विषय को लेकर 100 केन्द्रों पर कार्यक्रम हुए। मध्य भारत के स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत 16 राजकीय जिलों में उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन के 106 कार्यक्रम हुए जिनमें 30 हजार 120 लोग सम्मिलित हुए। 2 दिसम्बर, 2022 को भोपाल में प्रत्यक्ष तथा 15 जिलों में आभासी माध्यम से एक साथ रोजगार सृजन केन्द्र प्रारंभ हुए।

दिल्ली में 'सुयश'

दिल्ली में 21 अगस्त, 2022 को समाज की सज्जन शक्ति की सक्रियता बढ़ाने हेतु 300 से अधिक संस्थाओं के लगभग 800 युवा प्रतिनिधियों का एक अभिनव कार्यक्रम 'सुयश' सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, शिक्षा, संस्कार, योग, गौ-सेवा, नशा-मुक्ति, पक्षी सेवा से लेकर दिव्यांगों के लिए कार्य करने वाली कई संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपने कार्य का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। सरसंघचालक जी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

दिल्ली में अराजक तत्वों से मुक्ति

रोहिणी जिला के नेताजी सुभाष महाविद्यालय विद्यार्थी शाखा ने गंदगी और झाड़ियों से भरे एक खंडहर को, जो अराजक तत्वों का अड्डा बन गया था श्रमदान करके सेवा केन्द्र में बदला। शिक्षा, स्वास्थ्य, नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण उपक्रम अब यहाँ संचालित है। रामा विहार नगर की पंसाली बस्ती की शाखा 'हर घर सेवक अभियान के अंतर्गत' प्रत्येक मास बस्ती के हर घर में जाती हैं। अभी तक 70% घरों में सम्पर्क कर समाज की समस्या का समाज के लोगों द्वारा समाधान करवाया।

न्यू अशोक नगर के सुभाष शाखा की जागरण टोली द्वारा सड़क पर यातायात नियंत्रण का सफल प्रयोग किया गया।

जम्मू-कश्मीर में कार्यक्रम

24 जुलाई, 2022 को एक भव्य

जम्मू-कश्मीर पीपल्स फोरम द्वारा आयोजित कार्यक्रम

त्रिपुरा में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत

समारोह में जम्मू-कश्मीर पीपल्स फोरम की ओर से जम्मू में 1947 के बाद देश के लिए बलिदान देने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। 950 बलिदानियों के परिवारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 25 हजार प्रबुद्ध जन उपस्थित थे। सरकार्यवाह जी तथा देश के रक्षामंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में सुरक्षा बलों के सेवानिवृत अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी तथा कई विश्वविद्यालयों के कुलपति भी उपस्थित थे।

कोलकाता में 'नेताजी लहो प्रणाम'

23 जनवरी, 2023 को कोलकाता के शहीद मीनार मैदान में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 126 वीं जयंती पर सरसंघचालक जी उपस्थिति में 'नेताजी लहो प्रणाम' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कोलकाता महानगर की 593 बस्तियों तथा हावड़ा महानगर की 273 बस्तियों के कुल 4 हजार 900 स्वयंसेवक कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

उत्तर बंग प्रांत में सुभाष जयंती पर 10 स्थानों पर पथ संचलन निकाले गए। 1087 स्थानों पर भारत माता पूजन कार्यक्रम हुए जिनमें 24 हजार 976 लोगों ने भाग लिया।

अरूणाचल में प्रबुद्ध गोष्ठी

1962 के भारत-चीन युद्ध पर शोधपरक प्रदर्शनी का पासीघाट में सरसंघचालक जी ने उद्घाटन किया। 'प्रबुद्ध गोष्ठी' में 118 युवा उपस्थित हुए। पासीघाट नगर के स्वयंसेवकों का गणवेश एकत्रीकरण कार्यक्रम में 120 स्वयंसेवक उपस्थित हुए। स्थानीय जनजाति के स्वधर्म रक्षा संगठनों के नेतृत्व के साथ एक संवाद का कार्यक्रम में 16 संगठनों के 62 कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

त्रिपुरा में जनजाति समाज कार्यक्रम

त्रिपुरा के फुलझड़ी ग्राम में गुरुदेव शांति काली महाराज ने 25 आश्रमों की स्थापना कर धर्मरक्षण के कार्य को आगे बढ़ाया। वर्ष 2000 में उग्रवादियों ने पूज्य गुरुदेव की उनके आश्रम में ही निर्मम हत्या कर दी। दिवगंत गुरुदेव की स्मृति में गोमती जिले के सरबांग में एक स्मृति मंदिर का निर्माण किया गया जिसका उद्घाटन 27 अगस्त, 2022 को सरसंघचालक जी की उपस्थिति में हुआ। त्रिपुरा के 12 जनजाति समाज प्रमुख इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। पूरे प्रांत में 667 संकल्प सभाएं तथा नगर स्थानों पर शोभायात्राएं भी आयोजित हुई, जिसमें 10 हजार से अधिक लोग सहभागी हुए।

कर्नाटक दक्षिण में समाज सेवा कार्य

पुत्तूर जिले के बलपा गांव की शाखा द्वारा सामाजिक उपक्रम के अन्तर्गत 2 शिक्षा केन्द्र तथा 2 विद्यालयों को गोद लिया गया। 1181 घरों में शौचालय बांधने का कार्य पूर्ण हुआ। शाखा टोली द्वारा लोगों को सिलाई, मधुमक्खी पालन, कुक्कुट पालन, मछली पालन, जैसे विभिन्न उद्योग स्थापित करने में सहायता की गई। गांव में 100 पानी भरने के केंद्र है तथा 38 चेक डैम बांधे गए। गांव के ऐतिहासिक बोगायना तालाब को 70 कार्यकर्ताओं द्वारा साफ किया गया। गांव में अदालती मामले 75% कम हुए हैं। राष्ट्रीय भावना को जागृत रखने के लिए प्रति वर्ष 'ग्रामोत्सव' मनाया जाता है।

कोंकण में कचरे से खाद

प्रांत में सिंधु दुर्ग जिले के वेंगुली खंड के रेडी गांव में 'छत्रपति शिवाजी महाराज तरुण व्यवसायी शाखा' ने गांव के कुएं की सफाई, कूड़ा-कचरा इकठ्ठा कर उससे जैविक खाद का निर्माण व उसका किसानों में वितरण आदि कार्य किए गए।

मालवा में बर्तन बैंक

उज्जैन ग्रामीण जिले के कृषक व्यवसायी शाखा के स्वयंसेवकों ने शमशान घाट को श्रमदान करके स्वयं के साधनों से साफ-सफाई, रंग-रोगन, पौधारोपण कर व्यवस्थित किया। शाखा के स्वयंसेवकों ने पहल कर ग्राम के प्रत्येक परिवार से स्टील के गिलास मांगकर 'बर्तन बैंक' बनाया और ग्राम में सभी सार्वजनिक कार्यक्रम में प्लास्टिक के स्थान पर स्टील के गिलास का ही उपयोग प्रारम्भ किया। मंदसौर जनता कॉलोनी की परशुराम शाखा द्वारा नयी पीढ़ी को संस्कार देने हेतु प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को हनुमान चालीसा का पाठ एवं आरती का कार्यक्रम 3 मंदिरों से समाज द्वारा प्रारम्भ किया गया।

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य कैंप

कोरिया जिले के पोड़ी चिरमिरी स्थान पर सद्भाव टोली द्वारा 2022 की शरद पूर्णिमा को 15 डॉक्टरों के साथ 10 स्वास्थ्य कर्मचारी एवं 30 कार्यकर्ता बंधु द्वारा 1170 रोगियों को लाभ प्राप्त हुआ।

मेरठ में काँवड़ियों की सेवा

बागपत जिले का प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्थल एवं भगवान परशुराम की तपस्थली श्री परशुरामेश्वर महादेव मंदिर में श्रावण मास के दौरान कावड़ियों द्वारा हरिद्वार से काँवड़ लाकर जलाभिषेक किया जाता है। लगभग 3 दिन में 20 लाख श्रद्धालुओं (काँवड़ियों) की, मंदिर परिसर एवं गर्भगृह की सम्पूर्ण व्यवस्था बागपत जिले की नौ इकाईयों के 80 स्वयंसेवकों द्वारा की गई। बड़ौत खण्ड की माजरा शाखा के स्वयंसेवकों द्वारा गांव के किसानों के साथ बैठक कर गांव में जैविक खाद तथा कीटनाशक का प्रयोग प्रारम्भ किया गया।

मध्य बंग में समस्या समाधान

रामकृष्ण व्यवसायी शाखा बांकुड़ा नगर द्वारा बस्ती समस्या समाधान हेतु किए गए सफल प्रयासों के कारण व्यसन, छुआछूत, लव-जिहाद, असामाजिक गतिविधि आदि समस्याओं का समाधान किया गया। ●

वाल्मीकि समाज की बारात का स्वागत

कापरेन (बूँदी), बीती 22 फरवरी को घनश्याम वाल्मीकि की बेटी कविता की शादी सवाईमाधोपुर के श्यामलाल वाल्मीकि के पुत्र लोकेश से हुई। खास बात यह रही कि बारात जब कापरेन के लाडीजी चौक पहुँची तो सेवा भारती के कार्यकर्ताओं ने सभी 150 बारातियों का माला पहनाकर व महिलाओं को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत-सत्कार किया। उसके पश्चात् वे भी विवाह समारोह में शामिल हुए।

सफाईकर्मी के बेटे के विवाह में मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष ने पकड़ी घोड़ी की लगाम

बुटाटी धाम (नागौर) के नाम से प्रसिद्ध संत श्री चतुरदास जी महाराज मंदिर परिसर में वर्षों से कार्यरत सफाईकर्मी अजय कुमार पुत्र रामचन्द्र रील का विवाह बीती 25 फरवरी को हुआ।

निकासी के दौरान मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह बुटाटी ने दूल्हा बने अजय को घोड़ी पर बैठाकर स्वयं ने लगाम पकड़कर बिंदोरी को रवाना किया। बिंदोरी के दौरान होने वाला खर्च स्वयं अध्यक्ष महोदय ने ही वहन किया।

वाल्मीकि परिवार को भोजन कराकर दिए स्वर्ण आभूषण व वस्त्र

बाप (जोधपुर), बीती 24 फरवरी को नन्दकिशोर, त्रिलोकचन्द राठी परिवार के सदस्यों ने पुखराज वाल्मीकि के परिवार को गाजे-बाजे से आदर-सत्कार के साथ घर बुलाकर और घर के आंगन में बिठाकर पूरे मान-मनुहार के साथ भोजन कराया। राठी परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा रास्ते में वाल्मीकि परिवार का सफेद चादर पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। परिवार की महिलाओं द्वारा ''अतिथि देवो भवः'' का पालन करते हुए वाल्मीकि परिवार को तिलक लगाकर, माला पहनाकर व मंगल गीतों के साथ घर में प्रवेश कराया। भोजन पश्चात् विदा के समय वाल्मीकि परिवार को सोने व चांदी के गहने, नए वस्त्र, नगद रुपए व घरेलू उपयोग का सामान भेंट में दिया गया । इस अवसर पर विहिप के अध्यक्ष श्री हीरालाल पालीवाल भी उपस्थित थे।

श्रद्धांजलि

डॉ. हरिशंकर शर्मा का निधन

संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ. हरिशंकर शर्मा का देहावसान 11 मार्च को 83 वर्ष की आयु में धौलपुर में हो गया। आपने चिकित्सा कैरियर को छोड़ते हुए प्रचारक जीवन स्वीकार कर झांसी में जिला प्रचारक के रूप में दायित्व संभाला। पारिवारिक परिस्थितियों के कारण 2 वर्ष बाद लौटना पड़ा। आप धौलपुर के जिला कार्यवाह, भरतपुर के विभाग कार्यवाह, जयपुर प्रांत के बौद्धिक प्रमुख भी रहे। तदुपरांत विद्या भारती में पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में पूरे देश में उपेक्षित क्षेत्र की शिक्षा के संयोजक के रूप में संस्कार केंद्रों की सार-संभाल की। सभी कार्यकर्ताओं से जीवंत संपर्क रखना, सभी से मिलना-जुलना, शाखा की पूरी व्यवस्था देखना और पाथेय कण व पांचजन्य की सदस्यता में पूरी सक्रियता से लगना आपका स्वभाव था। पाथेय कण परिवार आपको श्रद्धासुमन अर्पित करता है।

जोधपुर के केशव नगर में पाथेय कण पाठक मिलन आयोजित

पाथेय कण जैसी जागरण पत्रिकाओं के माध्यम से पाठक अपने इतिहास, संस्कृति, महापुरुष तथा गौरवशाली परंपराओं से अवगत होता है तथा उनमें समसामयिक घटनाओं और समाचारों के संबंध में विचार करने का राष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित होता है। ये विचार जोधपुर महानगर के केशव नगर में आयोजित पाथेय कण पाठक मिलन कार्यक्रम में व्यक्त किए गए। उपस्थित पाठकों को महानगर प्रचार प्रमुख लेखराज विश्नोई ने संबोधित किया। उन्होंने प्रत्येक बस्ती में पाठक समूह बनाकर देश व समाज की घटनाओं पर विचार करने का सुझाव भी दिया।

विधायक साफिया जुबैर ने स्वीकारा

मेव भगवान राम और कृष्ण के वंशज

कहा जाता है कि भारत में रहने वाले लगभग सभी मुसलमान अपने हिंदू पूर्वजों की संतान हैं। इस तथ्य को स्वीकारते हुए राजस्थान में कांग्रेस की मुस्लिम विधायक साफिया जुबैर ने पिछले दिनों विधान सभा में कहा कि मेव भगवान राम और कृष्ण के वंशज हैं। पूजा पद्धति भले ही बदल गई है, परंतु उनकी रगों में बह रहा खून वही है।

उन्होंने बताया ''मैंने भी जागाओं (वंशावली लिखने वालों) से इतिहास निकलवाया था कि हमारा अतीत क्या है? उसमें यह निकलकर आया कि मेव तो राम और कृष्ण के वंशज हैं। चाहे धर्म परिवर्तन हो गया हो, परंतु खून तो आदमी का नहीं बदलता। खून तो हम में राम और कृष्ण का ही है।'

साफिया जुबैर अलवर के रामगढ़ विधान सभा क्षेत्र से विधायक हैं। यह क्षेत्र मेवात क्षेत्र का हिस्सा हैं, जहां मेव मुसलमानों का बाहुल्य है। हरियाणा व राजस्थान में बसा यह मेव इलाका लम्बे समय से गोवध, मतांतरण, मंदिरों में तोड़-फोड़ व साइबर अपराध के लिए कुख्यात है। ऐसे में उसी क्षेत्र के एक विधायक की यह स्वीकारोक्ति महत्वपूर्ण है।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष श्रावण माह के दौरान एक शिव मंदिर में किए जा रहे सहस्रघट कार्यक्रम में साफिया ने भगवान शिव का अभिषेक किया था। उन्होंने अपने ट्विट्र हैंडल से इसका विडियो भी साझा किया था।

साफिया के वक्तव्य से क्या वे विद्यटनकारी शक्तियाँ सबक लेंगी, जो मुसलमानों को हिंदुओं के विरुद्ध बरगलाने में लगी हैं?

वस्तुत: यहां रहने वाले सभी लोग मूल रूप से हिंदू हैं। आज वे किसी भी पूजा पद्धति का अनुसरण करें, इससे कोई अंतर नहीं पड़ता। उन्हें अपने मौजूदा पंथ के पालन से कोई रोकता भी नहीं है। आवश्यकता सिर्फ इस बात की है कि वे अपने पंथ को मानते हुए अपनी जड़ों को पहचानें, उन जड़ों से जो संस्कृति निकली है, उसके साथ चलें और साफिया जुबैर की इस बात को ध्यान में रखें कि पंथ बदलने से रगों में बहता खून नहीं बदलता।

'पाथेय कण' पाक्षिक सम्बन्धी विवरण

घोषणा पत्र-4 (नियम 8 के अनुसार)

1. प्रकाशन स्थान	**जयपुर**
2. प्रकाशन अवधि	**पाक्षिक**
3. मुद्रक का नाम	**माणक चन्द**
(क्या भारत का नागरिक है)	**हाँ**
पता	**4,मालवीय संस्थानिक क्षेत्र,अग्रसेन मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर-302017**
4. प्रकाशक का नाम	**माणक चन्द**
(क्या भारत का नागरिक है)	**हाँ**
पता	**4,मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, अग्रसेन मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर-302017**
5. सम्पादक का नाम	**रामस्वरूप अग्रवाल**
(क्या भारत का नागरिक है)	**हाँ**
पता	**72/25 मानसरोवर, जयपुर-302020**

6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र की समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के हिस्सेदार हों। - **कोई नहीं**

मैं माणक चन्द एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।

दिनांक : 16 मार्च, 2023

(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

धारा 370 व 35ए हटने से कश्मीर में सुधरे हैं हालात

पाकिस्तान के लोग भारत के साथ रहना चाहते हैं - वैदिक

उदयपुर के सेवा भारती चिकित्सालय एवं किरण माहेश्वरी स्मृति मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए सुप्रसिद्ध लेखक, भारतीय विदेश नीति के जानकार तथा कई समाचार पत्रों में संपादक रहे डॉ. वेद प्रताप वैदिक ने कहा कि पाकिस्तान की जनता भारत के साथ रहना चाहती है।

डॉ. वैदिक अपने पाकिस्तान के दौरे में आए अनुभव बता रहे थे। उन्होंने भारत द्वारा पाकिस्तान व अन्य पड़ोसी देशों की मदद करने की भी सराहना की और कहा कि विश्व में इसकी प्रशंसा हो रही है।

डॉ. वैदिक ने यह भी कहा कि कश्मीर से धारा 370 व 35ए हटने के बाद वहां स्थिति अच्छी है। वहां की जनता भी संवाद के पक्ष में है। उन्होंने कई राष्ट्राध्याक्षों से अपने संपर्क से आए अनुभव भी साझा किए।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ.बीएल सिरोया ने बताया कि इस अवसर पर तृतीय सरसंघचालक पू. बालासाहब देवरस पर यशवंत पालीवाल द्वारा लिखित पुस्तक 'कुशल संगठक बाला साहब देवरस' का विमोचन डॉ. वैदिक द्वारा किया गया।

राष्ट्रनायक सुभाष चन्द्र बोस

39

आलेख एवं चित्र
ब्रजराज राजावत

आजाद हिंद संघ का विस्तार हुआ तो विधिवत संचालन के लिए अस्थाई सरकार की आवश्यकता हुई। 21 अक्टूबर, 1943 में पूर्वी एशिया से आए आजाद हिंद के प्रतिनिधियों के अधिवेशन में रासबिहारी बोस ने नेताजी को निर्वासित सरकार के मुखिया के रूप में शपथ के लिए आमंत्रित किया।

नेताजी के बाद मंत्रिमंडल के सदस्यों ने भी शपथ ली...

सरकार के अस्तित्व में आने के दो दिन बाद ही जापान, जर्मनी, इटली, क्रोशिया थाइलैंड, बर्मा, फिलिपींस, मन्च्यूको और नानकिंग देशों से मान्यता मिलती चली गई

नेताजी ने जापान, चीन, फिलिपींस व वियतनाम के दौरे किए उनका राष्ट्राध्यक्ष के रूप में स्वागत हुआ और समर्थन भी मिला।

29 दिसम्बर, 1943 का ऐतिहासिक दिन, जिस दिन अंडमान के पोर्ट ब्लेयर की स्वतंत्र पावन भूमि पर नेताजी ने प्रवेश किया... पूरा द्वीप उत्सवमय हो गया

30 दिसम्बर, 1943 को बड़ी रैली हुई और गर्व से तिरंगा फहराया गया।... क्रांतिकारियों की यातना भूमि पोर्ट ब्लेयर अब स्वतंत्र भारत की प्रथम पावन भूमि हो गयी

नेताजी ने अंडमान में प्रेस सम्मेलन किया...

पूरा विश्व सुभाष जी की बढ़ती शक्ति देख दंग था... क्रमशः

पाक्षिक
पाथेय कण
16-31 मार्च, 2023
(13 मार्च को प्रकाशित, पृष्ठ 20)

आर.एन.आई.पंजीयन क्र. 48760/87
डाक पंजीयन संख्या JAIPUR CITY /202/2021-23

अग्रिम शुल्क बिना प्रेषण की अनुमति लाइसेंस संख्या
JAIPUR CITY/ WPP - 01/2021-23

आगामी पक्ष के विशेष अवसर

(1 से 15 अप्रैल, 2023)
चैत्र शुक्ल 11 से वैशाख कृष्ण 10 तक वि.सं.2080

जन्म दिवस

चैत्र शु. 11(1 अप्रैल) – श्री सुमतिनाथ जयंती (5वें तीर्थंकर)
चैत्र शु. 13 (4 अप्रैल) – भगवान महावीर जयंती (24वें तीर्थंकर)
4 अप्रैल (1889) – राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी जयंती
चैत्र पूर्णिमा (6 अप्रैल) – हनुमान जयंती, संत पीपा जयंती
वैशाख कृ.5(11 अप्रैल) – नवें गुरु तेगबहादुर जी जयंती (प्राचीन मत)
11 अप्रैल (1827) – महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती
वैशाख कृ.7 (12 अप्रैल) – गुरु अर्जुनदेव जयंती (प्राचीन मत)
13 अप्रैल (1885) – संत कंवरराम जयंती
14 अप्रैल (1891) – बाबा साहब अम्बेडकर जयंती
वैशाख कृ.10 (15 अप्रैल) – मुनि सुव्रतनाथ जयंती

बलिदान दिवस/पुण्यतिथि

4 अप्रैल (1946) – सागरमल गोपा का बलिदान
11 अप्रैल (1858) – वीर खाज्या और दौलत सिंह नायक का बलिदान

महत्वपूर्ण घटनाएं/अवसर

3 अप्रैल – हिन्दी रंगमंच दिवस
6 अप्रैल (1663) – शिवाजी महाराज द्वारा शायस्ता खां का मान-मर्दन
7 अप्रैल – विश्व स्वास्थ्य दिवस
8 अप्रैल (1929) – असेम्बली में बम का धमाका
10 अप्रैल – सिंधी भाषा दिवस
13 अप्रैल (1919) – जलियांवाला बाग नरसंहार
14 अप्रैल (वैसाखी) – खालसा पंथ की स्थापना (1699)
14 अप्रैल (1944) – आजाद हिंद फौज ने मोइरांग (मणिपुर) पर कब्जा कर तिरंगा फहराया

सांस्कृतिक पर्व/त्योहार

23 मार्च – सिंजारा (गणगौर)
24 मार्च – मेला गणगौर (जयपुर में)
30 मार्च – श्रीरामनवमी

पंचांग -चैत्र (शुक्ल-पक्ष)

युगाब्द-5125, वि.सं.-2080, शाके-1945
(22 मार्च से 6 अप्रैल,2023)

बसंत नवरात्र शुरु (घट स्थापना)-22 मार्च, **सिंजारा (गणगौर), चेटीचण्ड**-23 मार्च, **मेला गणगौर** - 24 मार्च, **विनायक चतुर्थी**-25 मार्च, **श्रीपंचमी**-26 मार्च, **स्कन्ध षष्ठी व्रत**-27 मार्च, **रोहिणी व्रत (जैन)**-27 मार्च, **दुर्गाष्टमी**-29 मार्च, **श्रीरामनवमी**-30 मार्च, **कामदा एकादशी व्रत(स्मार्त)**-1 अप्रैल, **कामदा एकादशी व्रत (वैष्णव)**-2 अप्रैल, **सोम प्रदोष व्रत** -3 अप्रैल, **चांद्र पूर्णिमा व्रत**-5 अप्रैल, **वैशाख स्नान प्रारंभ, सत्यनारायण व्रत, मेला सालासार बालाजी (चूरू में)** -6 अप्रैल

ग्रह स्थिति

चन्द्रमा : 22-23 मार्च **मीन** राशि में, 24-25 मार्च **मेष** राशि में, 26-27 मार्च उच्च की राशि **वृष** में, 28 से 30 मार्च **मिथुन** राशि में, 31 मार्च व 1 अप्रैल को स्वराशि **कर्क** में, 2 से 4 अप्रैल **सिंह** राशि में तथा 5-6 अप्रैल **कन्या** राशि में गोचर करेंगे।

चैत्र शुक्ल पक्ष में **गुरु** व **शनि** यथावत क्रमशः मीन व कुंभ राशि में स्थित रहेंगे। इसी प्रकार **राहु** और **केतु** भी क्रमशः पूर्ववत मेष व तुला राशि में स्थित रहेंगे। **सूर्य**, **शुक्र** व **मंगल** भी क्रमशः मीन, मेष व मिथुन राशि में यथावत बने रहेंगे। **बुध** 31 मार्च को दोपहर 2.59 बजे मीन से मेष राशि में प्रवेश करेंगे।

(विशेष : गुरु 2 अप्रैल, 2023 को प्रातः 10.00 बजे पश्चिम दिशा में अस्त हो रहे हैं।)

जन्म दिवस श्रृंखला

24वें तीर्थंकर
भगवान महावीर
चैत्र शु.13 (4 अप्रैल)

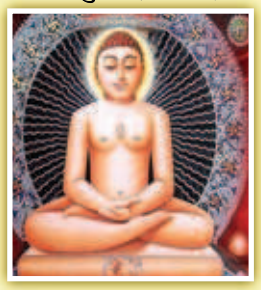

पंचम गुरु
गुरु अर्जुन देव
वैशाख कृ.7(12 अप्रैल)

(1563-1606)

सिंध के महान संत
संत कंवरराम
13 अप्रैल

(1885-1939)

स्वत्वाधिकारी पाथेय कण संस्थान के लिये प्रकाशक एवं मुद्रक माणक चन्द
द्वारा कुमार एण्ड कम्पनी,ए-10,22 गोदाम औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित
प्रकाशकीय कार्यालयः पाथेय भवन, 4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, मालवीय नगर, जयपुर-302017
सम्पादक - रामस्वरूप अग्रवाल
प्रेषण दिनांक 16,17,18,19 व 20 मार्च, 2023 आर.एम.एस.(पी.एस.ओ.) जयपुर

प्रतिष्ठा में